रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार
02 दिसंबर -2025
वर्ष 10, अंक 88
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

सात लड़के रोज करते थे साथ लाख से 8 लाख का गोलमाल, खुलासा किया पलामू पुलिस

पलामू- पलामू के हुसैनाबाद में पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी की आड़ में चल रहे एक बड़े ठगी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने छापेमारी कर सात लड़कों को गिरफ्तार किया। ये सभी एक मकान के तीसरे तल्ले पर बैठकर लैपटॉप और मोबाइल से अवैध लेनदेन कर रहे थे। पकड़े गए युवकों में छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड के लोग शामिल हैं। इनमें राहुल सिंह लोधी, सुजित कुमार विश्वकर्मा, अजित कुमार, रोहित कुमार सिंह उर्फ राजा, जुबेर अंसारी, अयाज आलम उर्फ टिंकु और अक्षय कुमार कुंडू के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने इनके पास से 11 मोबाइल, एक लैपटॉप, एक टैब, नौ एटीएम कार्ड, नौ पासबुक, नौ चेकबुक, पांच खाली मोबाइल

बॉक्स, तीन डायरी और एक जियो फाइबर राउटर जब्त किया। इस बात का खुलासा पलामू की पुलिस कप्तान रिष्मा रमेशन ने किया।

कैसे ध्वस्त हुआ नेटवर्क : एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि 30 नवंबर को पुलिस को इंफॉर्मेशन मिली थी कि हुसैनाबाद में एक मकान में कुछ युवक संदिग्ध गतिविधियां कर रहे हैं। इसके बाद एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी की देखरेख में एक टीम बनाई गई और बताये गये लोकेशन पर रेड मारी गयी। दो कमरों में सात युवक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म "Khelooyaar.site" पर काम करते मिले। पूछताछ में उन्होंने कहा कि वे रोज सात से आठ लाख रुपये तक का अवैध कारोबार करते हैं।

लोगों के नाम पर खुलवाते थे खाता, फिर शुरू होता था खेल : गिरोह ग्रामीण इलाकों में लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाता था। फिर उनके एटीएम कार्ड, पासबुक और चेकबुक अपने पास रख लेता था। इन्हीं खातों के जरिए पैसा आगे भेजा जाता था। पूछताछ में तीन मुख्य संचालकों के नाम सामने आए हैं जिनमें भिलाई का शेल्वी उर्फ मनीष, औरंगाबाद का राजन कुमार सिंह और प्रवीण भैया शामिल हैं। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने की अपील : पलामू पुलिस ने लोगों से कहा है कि किसी भी ऑनलाइन बेटिंग ऐप या स्कीम से दूर रहें। किसी लालच में आकर अपनी बैंक जानकारी, खाता या दस्तावेज किसी को न दें। पुलिस ने यह भी याद दिलाया कि अपना बैंक खाता किसी और के इस्तेमाल में देना भी अपराध है।

थरूर कांग्रेस की स्ट्रेटेजिक मीटिंग में फिर नहीं पहुंचे

- कहा-90 साल की मां के साथ हूं, एसआईआर पर हुई बैठक से भी दूर थे

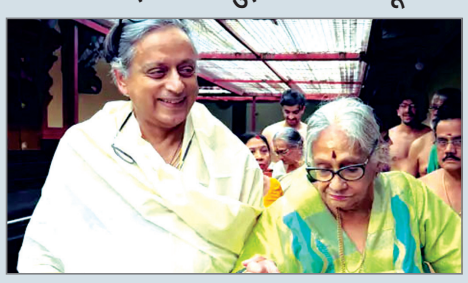

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर और सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस के स्ट्रेटेजिक ग्रुप की एक जरूरी मीटिंग अटेंड नहीं की। 30 नवंबर को पार्लियामेंट के विंटर सेशन को लेकर सोनिया गांधी की लीडरशिप में बैठक हुई। हालांकि थरूर के ऑफिस ने बताया कि वह केरल में अपनी 90 साल की मां के साथ हैं। यह दूसरा मौका है जब थरूर पार्टी की किसी मीटिंग में नहीं पहुंचे। इससे पहले खराब सेहत का हवाला देकर एसआईआर मुद्दे पर बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी वे नहीं पहुंचे थे। उस दौरान वे पीएम मोदी के इवेंट में शामिल हुए थे, जिसे लेकर बवाल मचा था। कांग्रेस की जरूरी मीटिंग्स से थरूर का लगातार गायब रहना पार्टी के अंदर चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस और थरूर के बीच का रिश्ता लंबे समय से किसी से छिपा नहीं है, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई मौकों पर थरूर का पीएम मोदी की तरफ झुकाव अक्सर सुर्खियों में रहता है।

अमृतपाल की पैरोल पर अब अगले सोमवार को सुनवाई

- सांसद के वकील बोले-सेशन में वर्चुअल शामिल होने दे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के खडूर साहिब से खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह ने संसद के विंटर सेशन में शामिल होने के लिए पैरोल न देने के पंजाब सरकार के फैसले को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी है। आज इस याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें हाईकोर्ट ने 8 दिसंबर को अगली सुनवाई निर्धारित की है। पंजाब सरकार के वकील ने अदालत में कहा कि अमृतपाल के भाषण से खतरा हो सकता है। उन पर एनएसए के तहत केस दर्ज है। कोई ऐसा प्रोविजन नहीं है कि उन्हें संसद भेजा जा सकता है। वहीं, अमृतपाल सिंह के वकील ने कहा कि हमें संसद में फिजिकल शामिल नहीं होने दिया जा रहा है। ऐसे में हमें वर्चुअल सेशन में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए। इस पर केंद्र के वकील सत्यपाल जैन ने कहा कि संसद में ऐसा कोई तरीका नहीं है। वहीं, मामले में अब अगले सोमवार को सरकार बताएगी कि किस आधार पर पैरोल खारिज की गई है। उसके दस्तावेज पेश किए जाएंगे।

संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचीं कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी

बोलीं-ये काटता नहीं, काटने वाले संसद में, भाजपा ने आपत्ति जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक कुत्ता लेकर संसद परिसर में पहुंच गईं। इस घटना पर बीजेपी सांसदों ने कड़ा विरोध जताया है। रेणुका चौधरी से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा- सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। इसमें क्या हर्ज है। उन्होंने कहा, ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और डसने वाले संसद में, कुत्ते नहीं। उनके इस कदम पर बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने नाराजगी जताई और कहा-रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता। संसद की सिक्योरिटी कंसर्न को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा,कौन सा प्रोटोकाल। कहीं कोई कानून बना है क्या। मैं रास्ते में आ रही थी। वहां स्कूटर और कार वाले का टक्कर हुआ। उसके आगे ये छोटा पिल्ला निकलकर सामने आ गया। ये चारों तरफ सड़क पर घूम रहा था। मैंने सोचा ये पहिए के नीचे आ जाएगा।

सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी चाहिए

- शीतकालीन सत्र से पहले पीएम मोदी की विपक्ष को नसीहत
- खड़गे ने कहा- धनखड़ को फेयरवेल नहीं मिला, इसका दुख
- नड्डा बोले-डॉक्टर को तकलीफ बताइए, सब समाधान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। दोनों सदनों में एसआईआर और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से 10 मिनट बात की। उन्होंने कहा, विपक्ष हाल के चुनावों में पराजय की निराशा से बाहर निकले और सदन में मजबूत मुद्दे उठाए। अगर विपक्ष चाहे तो मैं उन्हें टिप्स देने के लिए तैयार हैं कि कैसे परफॉर्म किया जाए। पीएम ने कहा- यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं। पीएम ने इसके बाद राज्यसभा में नए सभापति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया और उनके अभिवादन में स्पीच दी। इसके बाद नेता

प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला। खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया। नड्डा ने कहा- आपको बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र की हार ने काफी तकलीफ पहुंचाई है। आपको अपनी तकलीफ डॉक्टर को बताना चाहिए। एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही आज दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई है। अब सदन की कार्यवाही 2 दिसंबर को 11 बजे से शुरू होगी। लोकसभा में मणिपुर गुड्स एंड सर्विस टैक्स बिल (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 बिल पास हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में यह बिल पेश किया था। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 41,455 करोड़ रुपए के अतिरिक्त खर्च के लिए लोकसभा से मंजूरी मांगी है। लोकसभा ने सोमवार को दो संसदीय समितियों को दीवाला कानून और जन विश्वास प्रावधान संशोधन बिल पर रिपोर्ट प्रस्तुत की।

शिमला के जाखू मंदिर में चांदी से होगी नक्काशी

- दानदाता ने रखा प्रस्ताव, न्यास समिति ने मंजूरी दी

सरकार से 5.67 करोड़ का मास्टर प्लान अप्रूव

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की राजधानी शिमला स्थित मशहूर जाखू मंदिर में जल्द ही भव्य बदलाव देखने को मिलेंगे। हनुमान मंदिर न्यास समिति जाखू की सोमवार को हुई मीटिंग मंदिर के गर्भगृह के आसपास चांदी की नक्काशी करने का फैसला लिया गया। इस पूरी नक्काशी का खर्च एक दानकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा, जिसने खुद आगे बढ़कर यह प्रस्ताव दिया है। डीसी शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में न्यास ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। चांदी की नक्काशी का डिजाइन एसडीएम, न्यास सदस्य और जिला भाषा अधिकारी मिलकर तय करेंगे, ताकि मंदिर की पारंपरिक शैली और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए काम किया जा सके। इस मीटिंग में मंदिर परिसर के विकास से जुड़े विशाल मास्टर प्लान को मंजूरी दी गई। हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार इस प्लान पर 5 करोड़ 67 लाख रुपए की अनुमानित लागत आएगी। इससे जाखू मंदिर में यज्ञशाला का निर्माण, शू हाउस, नए शौचालय ब्लॉक, दुकानें, शेड और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएगी।

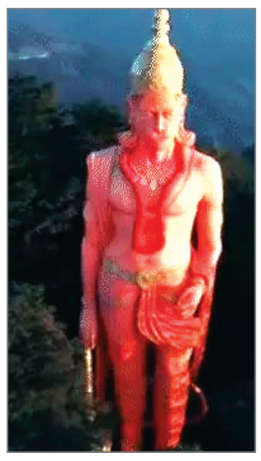

न्यास समिति की मीटिंग में मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट के बनाने की प्रोग्रेस रिपोर्ट भी रखी गई। वेबसाइट लगभग तैयार है और इसे एक सप्ताह के भीतर लाइव करने के निर्देश दिए गए।

2,500 मीटर ऊंचाई पर हनुमान का पुरातन धाम- जाखू मंदिर शिमला शहर की सबसे ऊंची हिल समुद्र तल से 2455 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मान्यता है कि लंका युद्ध के दौरान जब लक्ष्मण बेहोश हो गए थे, तो संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान इसी रास्ते से हिमालय की ओर आए। रास्ते में वे जाखू पर्वत पर रुके थे। यहीं ऋषि याकू के साथ उनका संवाद हुआ। ऐसा कहा जाता है कि पर्वत पर चलते समय उनका पैर जिस स्थान पर पड़ा, उसी जगह यह मंदिर बना।

अंतर्राष्ट्रीय आईडिया - दुनिया भर में लोकतंत्र के समर्थन के 30 साल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारत की ओर से 3 दिसंबर, 2026 को अंतर्राष्ट्रीय आईडिया की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग और देश के सभी चुनाव कर्मचारियों द्वारा आयोजित स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों की वैश्विक स्वीकृति के रूप में, सीईसी ज्ञानेश कुमार भारत की ओर से 3 दिसंबर, 2026 को स्टॉकहोम, स्वीडन में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (अंतर्राष्ट्रीय आईडिया) की अध्यक्षता ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। 1995 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय आईडिया एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें वर्तमान में 35 देश सदस्य हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान पर्यवेक्षक हैं। (सदस्य देशों की सूची और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र अनुलग्नक में हैं)। अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए को 2003 से संयुक्त राष्ट्र महासभा में पर्यवेक्षक का दर्जा भी प्राप्त है। भारत अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए का संस्थापक सदस्य है और उसने शासन प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया है और चुनावी अनुसंधान, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग किया है। 90 करोड़ से अधिक मतदाताओं के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत 2026 के लिए अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए की अध्यक्षता ग्रहण करते समय चुनावी प्रशासन में अपने व्यापक अनुभव का लाभ उठाएगा, जिससे दुनिया भर में चुनाव प्रबंधन निकायों को मजबूत बनाने में योगदान मिलेगा।

मंडरो फ़ॉसिल पार्क में वन्यजीव संरक्षण पर प्रायोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

ओम प्रकाश तांती, साहिबगंज ब्यूरो/ साहिबगंज। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की गहन समझ और उसके फील्ड स्तर पर प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से साहिबगंज वन प्रमंडल के द्वारा 29 एवं 30 नवम्बर 2025 को मंडरो फ़ॉसिल पार्क में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संथाल परगना के विभिन्न जिलों से आए वनरक्षकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संथाल परगना के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (RCCF) डी. वेंकटेस्वरलु, IFS रहे। उन्होंने उद्घाटन सत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को वन विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी बताते हुए फील्ड स्टाफ को अद्यतन कानूनी जानकारी और व्यावहारिक दक्षता विकसित करने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण का संचालन लद्दाख वन्यजीव बोर्ड के सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. आर. के. सिंह ने किया। दो दिनों की कार्यशाला में उन्होंने अधिनियम की धाराओं, अनुसूचियों, दंड प्रावधानों, अपराधों की श्रेणीकरण व्यवस्था तथा फील्ड में लागू होने वाली प्रक्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि अवैध शिकार एवं वन्यजीव तस्करी की रोकथाम, मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन तथा वन अपराधों की जांच में अधिनियम का सही उपयोग किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसके साथ ही दस्तावेज़ीकरण, सूचना संकलन, पंचनामा, जब्ती सूची, साक्ष्यों के संरक्षण तथा केस डायरी तैयार करने जैसी प्रक्रियाओं पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य फील्ड स्टाफ को कानून आधारित कार्रवाई में सक्षम बनाना, वन्यजीव सुरक्षा की समझ बढ़ाना तथा अपराधियों को प्रभावी ढंग से कानून के दायरे में लाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि यह प्रशिक्षण वन्यजीव संरक्षण और वन अपराध नियंत्रण की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगा। कार्यक्रम में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग तथा वन क्षेत्र पदाधिकारी श्री पंचमी दुबे उपस्थित रहे। साहिबगंज वन प्रमंडल के सभी वनरक्षी कर्मियों के साथ-साथ संथाल परगना के जामताड़ा, गोड्डा, दुमका, पाकुड़ और देवघर जिलों के वनरक्षकों ने इस प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी दर्ज की।

जवानों का अगला टारगेट हैं 8 खतरनाक नक्सली

- 3 पर 1-1 करोड़ का ईनाम, मिशन को अंजाम देने के लिए बनी खास प्लानिंग

रायपुर (एजेंसी)। खूंखार नक्सली हिडमा के एनकाउंटर के बाद सुरक्षाबल के जवानों को नक्सलियों के बचे हुए टॉप लीडरों पर है। छत्तीसगढ़ का बस्तर कभी नक्सलियों का गढ़ होता था लेकिन अब यहां सुरक्षाबल के जवानों का दबदबा है। जवानों ने हिड़मा, बसवाराजू जैसे टॉप लीडर्स का एनकाउंटर किया है। वहीं, बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कई टॉप लीडर भी शामिल हैं। दावा किया जा रहा है कि हिडमा की मौत के बाद नक्सली संगठनों को बड़ा झटका लगा है। संगठन बस्तर में पूरी तरह से टूट चुका है। भूपति, रूपेश के सरेंडर के बाद अब चैतू ने भी सरेंडर कर दिया है। जिससे नक्सली संगठन कमजोर हो गया है।

जवानों का टारगेट हैं टॉप लीडर

हिडमा के एनकाउंटर के बाद अब सुरक्षाबल के जवानों का अगला टारगेट देवजी, गणपति, मिशिर बेसरा, पापा राव, गणेश उइके और बारसे देवा जैसे नक्सली हैं। इनमें से कोई संगठन का टॉप लीडर हैं। कोई एक करोड़ रुपये का इनामी है तो किसी के सिर पर 40 लाख रुपये का इनाम घोषित है। देवजी इस समय नक्सलियों को टॉप लीडर है। वह संगठन का महासचिव और पोलित ब्यूरो का मेंबर है। उसके सिर पर 1 करोड़ से ज्यादा का इनाम घोषित है। यह पोलित ब्यूरो का मेंबर और सेंट्रल कमेटी की सलाहकार है। इसके सिर पर 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित है। भास्कर को मिशिर बेसरा उर्फ भास्कर के नाम से जाना जाता है। यह पोलित ब्यूरो का मेंबर और इंचार्ज है। इसके सिर पर एक करोड़ रुपये का इनाम है। यह सेंट्रल कमेट का सदस्य और ओडिशा स्टेट कमेटी सचिव है और इसके सिर पर 40 लाख का इनाम है। यह लंबे समय से बस्तर इलाके में सक्रिय है। सुरक्षाबल के जवान इसकी तलाश कर रहे हैं। 40 लाख रुपये का इनाम नक्सली संग्राम सेंट्रल कमेटी का मेंबर है। इसके पास संगठन की अहम जिम्मेदारी है। पापाराव को कई नामों से जाना जाता है। यह दंण्यकारण क्षेत्र में ऐक्टिव है और इसके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित है। वहीं, पश्चिमी बस्तर में भी में इसके पास संगठन की बड़ी जिम्मेदारी है। बारसे देवा सुकमा जिले के पूवर्ती का रहने वाला है। इसे हिड़मा का करीबी माना जाता था। इसके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित है। सुरक्षाबल के जवान लंबे समय से इसकी तलाश कर रहे हैं। यह नक्सली संगठन का टॉप कमांडर में शामिल है। इसके सिर पर अलग-अलग राज्यों में इनाम घोषित है। यह नक्सली संगठन का कम्युनिकेशन विभाग संभालता है। अगर ये खूंखार नक्सली सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर कर देते हैं या फिर इनका एनकाउंटर हो जाता है तो नक्सली संगठन को चलाने वाला कोई टॉप लीडर नही।

संक्षिप्त समाचार

सर्दी में नीमा करेगा 500 कंबलों का वितरण

बोकारो, एजेंसी। आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सकों के राष्ट्रीय संगठन नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) की बोकारो शाखा इस वर्ष भी शीतलहरी में जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आई है। जिला प्रवक्ता डॉ. नेहा सिंह ने बताया कि नीमा की ओर से दिसंबर के प्रथम सप्ताह में लगभग 500 कंबलों का वितरण गरीब व असहाय लोगों के बीच किया जाएगा। बताया कि सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए नीमा हर साल गरीब परिवारों तक पहुंच सहयोग करती है।

खुद को जागरूक रख कर ही साइबर अपराध से बचाव संभव

रांची, एजेंसी। साइबर अपराध से बचाव को लेकर कलकत्ता पब्लिक स्कूल ओरमांझी में जर्नलिज्म ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ़ रांची यूनिवर्सिटी (जोसारू) की ओर से जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर अपराध विषय के विशेषज्ञ श्रीनिवास सिंह, साइबर थाने के डीएसपी ने उपयोगी जानकारियां दीं। बताया कि कई बार जानकारी के अभाव में हम साइबर अपराधियों के शिकार बन जाते हैं। साइबर अपराधी या तो प्रलोभन देकर या फिर डरा कर आम लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इनसे बचने का उपाय खुद को जागरूक करना है। साइबर थाना के प्रभारी पंकज कुमार, तकनीकी अधिकारी संदीप कुमार ने भी इससे कैसे बचा जा सकता है, इस संबंध में बताया। कार्यक्रम में कलकत्ता पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी, उनके माता-पिता, स्कूल की प्रधानाध्यापिका प्रियंवदा झा, निदेशक मिथिलेश मिश्रा, शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित थे। मौके पर थाने के उपाध्यक्ष अविनाश कुमार ने कार्यशाला के विषय के महत्व पर जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से कई सवाल भी पूछे। जोसारू कार्यकारी समिति के सदस्य संजय खंडेलवाल सहित उपस्थित रहे।

गोमो फ्लाईओवर और पथ चौड़ीकरण के लिए 10 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, जारी हुआ नोटिफिकेशन

धनबाद, एजेंसी। जिले में रेलवे और पथ विभाग की परियोजनाओं के लिए 10 एकड़ से अधिक जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। उपरोक्त जमीन के लिए जिला भू-अर्जन कार्यालय की ओर से अधिसूचना जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही चिह्नित भूखंडों की खरीद बिक्री पर भी रोक लगा दिया गया है। उपरोक्त जमीन पर रेलवे की तरफ से जहां फ्लाई ओवर का निर्माण किया जाएगा, वहीं पथ विभाग की ओर से सड़क चौड़ीकरण किया जाना है। भारतीय रेल की ओर से डाउन लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है। इस कड़ी में तोपचांची प्रखंड के गोमो में एक लंबा फ्लाईओवर बनेगा। इस फ्लाई ओवर के लिए रेलवे को 7.58 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। भू-अर्जन कार्यालय के अनुसार तोपचांची के बरवाडीह गांव में 3.64 एकड़, लोदवाडीह में 1.09 एकड़, गुनघसा में 1.98 एकड़ और महथाडीह में 0.86 एकड़ जमीन अधिग्रहण की जानी है। रेलवे की परियोजना के अलावा तोपचांची में नावाडीह डाक बंगला से भेंडरा, गोमो होते हुए लक्ष्मीपुर तक जाने वाली सड़क का चौड़ीकरण पथ निर्माण विभाग करने जा रही है। इसके लिए भी यहां 2.75 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। भू-अर्जन कार्यालय ने उपरोक्त कार्य के लिए भी जमीन अधिग्रहण को लेकर अधिसूचना जारी किया है।

चतरा में बिजली पोल से गिरकर मिस्त्री की मौत, ठेकेदार पर सुरक्षा किट के बिना काम कराने का आरोप, पुलिस ने पकड़ा

कोडरमा, एजेंसी। चतरा जिले में रविवार को बिजली मरम्मत के दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई। सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर काम करवाने के कारण बिजली मिस्त्री की मौत हो गई। हादसा 22 कोर्ट परिसर और उपायुक्त कार्यालय के पास हुआ, जहां बोकारो निवासी शिशुपाल कुमार बिजली के खंभे पर चढ़कर मेंटेनेंस का काम कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक, ठेकेदार ने उन्हें सुरक्षा किट उपलब्ध नहीं कराई थी। काम के दौरान अचानक फिसलने से शिशुपाल ऊंचाई से सीधे जमीन पर गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोग तुरंत उन्हें सदर अस्पताल चतरा लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही ठेकेदार अंतु कुमार अग्रवाल भी अस्पताल पहुंचा। मौके का फायदा उठाते हुए उसने शव को अस्पताल से बाहर ले जाकर मामला दबाने की कोशिश की। इसकी सूचना अस्पताल कर्मियों ने तुरंत सदर थाना को दी। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी ने ठेकेदार की गाड़ी का पीछा किया और उसे पकड़ लिया। पुलिस ने जबरन ले जाए जा रहे शव को वापस अस्पताल में लाकर कब्जे में लिया। इस घटनाक्रम ने ठेकेदार की मंशा पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने भी ठेकेदार पर मजदूरों की सुरक्षा के प्रति गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। शिशुपाल के साथ काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि वे लोग लंबे समय से सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे, लेकिन ठेकेदार हमेशा अनदेखी करता रहा।

डायन बताकर बुजुर्ग महिला की हत्या सिर धड़ से अलग कर खदान में फेंका

मधुपुर (देवघर), एजेंसी। मधुपुर के मिसरना गांव से पिछले दिनों डायन के शक में अपहृत 60 वर्षीय महिला का रविवार को सिर कटा शव खदान से बरामद किया गया। शव को गांव के पास गौरी पहाड़ी स्थित पत्थर खदान से मिला है। जब शव को खदान से निकाला गया तो सिर धड़ से गायब था। सिर ढूंढ़ने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन नहीं मिला। मामला अंधविश्वास से जुड़ा है।

बताया जाता है कि गांव के एक किशोर की कुछ दिनों पहले मौत हो गई थी। किशोर के घरवालों को शक था कि महिला डायन है और उसने ही जान ली है। माना जा रहा है कि बदले की आग में किशोर के स्वजन ने ही महिला की हत्या की है। शव को निकालने में एनडीआरएफ का सहयोग लिया गया। देवघर एनडीआरएफ की टीम के इंस्पेक्टर कृष्णकांत कनक के नेतृत्व में टीम ने शव को खदान से निकाला।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल भेज दिया है। स्वजन ने शव की पहचान कर ली है। बताया जाता है कि अपहरणकर्ता ने महिला का सिर काटकर उसकी हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से उसका शरीर को खदान में फेंक दिया।

इधर, महिला की बेटी ने मधुपुर थाना में चार महिला समेत आठ लोग को नामजद आरोपित बनाया है। पुलिस फरार लोगों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है। एसडीपीओ सत्येंद्र प्रसाद, इंस्पेक्टर इंचार्ज संतोष कुमार गुप्ता ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत है।

महिला का बेटा और बहू दिल्ली में इंजीनियर हैं। चार वर्ष पूर्व पति का निधन हो गया था। बेटा अपनी मां को दिल्ली में रखना चाहते था, लेकिन वह गांव के पैतृक घर में रहना पसंद करती थी। गुरुवार की शाम साढ़े सात बजे चार महिला और चार पुरुष महिला के घर आए और पड़ोस में हो रहे श्राद्ध के भोज में चलने के लिए कहा।

महिला ने जब बीमारी को हवाला देते हुए मना किया तो आरोपित जबरन घर से घसीटते हुए ले गए। वह काफी चीखती- चिल्लाती रही, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। इसके बाद घटना की सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची। पुलिस ने महिला की तलाश के लिए दुमका से श्वान दस्ता मंगाया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

महिला को पहले भी डायन कहकर प्रताड़ित किया गया था। तब मामले की शिकायत पर पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप से मामला को शांत कराया गया था। प्रताड़ित करने वालों को पुलिस ने कड़ी चेतावनी दी थी। तब महिला के पति भी जीवित थे। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

रिपोर्ट आने के बाद होगी आगे की कार्रवाई होमगार्ड के बर्खास्त कंपनी कमांडर से घूस मांगने के आरोप में 4 कर्मी निलंबित

रांची, एजेंसी। रिश्वत मांगने के आरोप में झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के चार कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित होने वालों में स्थापना शाखा के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार, डीआईजी गोपनीय के रीडर सूरज प्रकाश सिंह, रीडर डीजी दीपक पुंज और ओटीडी शाखा के निरीक्षक संजय सिंह शामिल हैं। इस संबंध में गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा झारखंड ने आदेश जारी कर दिया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि इनके विरुद्ध पैसे के लेन-देन से संबंधित गंभीर आरोप लगाए गए थे। उक्त आरोप में कार्यालय की ओर से इन सभी से स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। इनके द्वारा जो जवाब दिया गया, उसकी समीक्षा में इनका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया। इनका कृत्य व आचरण इनके घोर अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता, मनमानेपन, भ्रष्ट आचरण एवं एक अयोग्य पदाधिकारी होने का परिचायक है। इसलिए इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

तीन जिलों के समादेष्टा करेंगे मामले की जांच : डीजी होमगार्ड ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। इसमें तीन जिले बोकारो, धनबाद और पूर्वी सिंहभूम के जिला समादेष्टा को रखा गया है। ये कमेटी जांच करेगी और 15 दिन में अपनी रिपोर्ट डीजी होमगार्ड को देगी। इसके बाद उक्त चारों आरोपी कर्मियों के विरुद्ध आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी व खुद के फोन-पे पर पैसा लेने के कारण फंसे चारों कर्मी : आरोपी कर्मियों ने कैलाश प्रसाद यादव से अपनी पत्नी व खुद के फोन पे के जरिए रुपए लिए। इसी वजह से ये चारों इस मामले में फंस गए और बाद में निलंबित किए गए। इनके विरुद्ध कैलाश यादव ने फोन पे पर पैसे दिए जाने का स्क्रीन शॉट भी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सौंपा है। जिसमें बताया है कि दीपक पुंज ने 18 अक्टूबर को व 17 नवंबर को 5 हजार व 10 हजार रुपए फोन पे पर अपनी पत्नी के नाम पर लिए।

धनबाद सदर अस्पताल को मिलेगा नया लुक डीसी आदित्य रंजन ने किया निरीक्षण

धनबाद, एजेंसी। धनबाद सदर अस्पताल जल्द ही नए स्वरूप में दिखेगा। उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन ने अस्पताल का निरीक्षण कर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस पहल से अस्पताल परिसर में पार्किंग की उचित व्यवस्था होगी और रजिस्ट्रेशन काउंटर को भी सुव्यवस्थित किया जाएगा।

निजी अस्पतालों में महंगे इलाज के बीच, जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल आम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन गया है। डीसी आदित्य रंजन के प्रयासों, सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा और उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार प्रसाद की मेहनत से अस्पताल की व्यवस्था में व्यापक सुधार आया है। यही कारण है कि यहां इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ी है और लोगों का भरोसा भी बढ़ा है।

अस्पताल में अब लिवर प्रोफाइल, किडनी प्रोफाइल, लिपिड प्रोफाइल, पैंक्रियाटिक एंजाइम, सीरम कैल्शियम, एलडीएच और हेमेटोलॉजी जैसी कई जांचें निःशुल्क उपलब्ध हैं। इसके लिए लैब को आधुनिक मशीनों से सुसज्जित किया गया है। निरीक्षण के दौरान, डीसी रंजन ने पार्किंग क्षेत्र और पुराने भवनों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जिला प्रशासन लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि कई कार्य अभी प्रक्रिया में हैं, जिनके लिए अनुमान तैयार करने से लेकर टेंडर तक की प्रक्रिया चल रही है।

सदर अस्पताल की खाली पड़ी जमीन का उपयोग वाहनों की पार्किंग और अन्य विभागों के भवन निर्माण के लिए किया जाएगा। अस्पताल को नया रूप देने की यह तैयारी न केवल इसे सुसज्जित बनाएगी, बल्कि यहां आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी मिलेंगी।

बारात निकलने से पहले युवक ने की आत्महत्या, पुलिस पर लगा गंभीर आरोप

रांची, एजेंसी। जिले के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को नितेश पांडेय नाम के एक युवक ने अपनी बारात निकलने से पहले सुसाइड कर लिया। नितेश के परिजनों ने इसके लिए पुलिस और एक युवती को जिम्मेदार ठहराया है। रांची एसएसपी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला : रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज रोड नंबर 5 में शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गई। बारात निकलने से पहले दूल्हे की आत्महत्या से पूरे मोहल्ले में मातम पसर गया। दरअसल, नितेश पांडेय नामक युवक जो रेलवे में कार्यरत था, उसकी शनिवार को शादी थी, लेकिन इससे पहले ही किशोरगंज से रोड नंबर 05 स्थित नितेश पांडेय ने अपने ही कमरे में आत्महत्या कर ली। नितेश के आत्महत्या को लेकर परिजनों ने सुखदेव नगर पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया है। परिजनों में पुलिस को लेकर आक्रोश है। परिजनों ने आत्महत्या की वजह पुलिस प्रताड़ना बताया है।

यौन शोषण का आरोप और फिर

पुलिस ने किया परेशान : नितेश के भाई नीरज पांडेय ने बताया कि 26 नवंबर को उसका तिलक था। इसी बीच प्रियंका नाम की एक लड़की ने उस पर यौन शोषण का आरोप लगाकर केस कर दिया। थाना से बिना किसी जांच के नितेश को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद उसे छोड़ने के लिए वरीय पुलिस अधिकारियो को मैनेज करने के नाम पर दस लाख रुपये भी वसूले गए।

भाई नीरज पांडेय ने बताया कि थाने के मुंशी परशुराम कभी एक लाख तो कभी दो लाख की मांग करता था। कभी सिटी, एसपी तो कभी कोतवाली डीएसपी के नाम पर पैसे की मांग की जाती थी। थाने से छोड़ने के बावजूद आरोप लगाने वाली लड़की उसे बहुत परेशान कर रही थी, जिसकी वजह से उसने आत्महत्या कर ली।

रात 12 बजे शव उठा

पुलिस पर लगे गंभीर आरोपों के बाद एसएसपी रांची ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। नितेश की मौत को लेकर सुखदेव नगर में शनिवार की देर रात तक हंगामा होता रहा। परिजनों और मोहल्ले वालों का आक्रोश पुलिस के प्रति बहुत ज्यादा था। रविवार को अब नितेश का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड के द्वारा किया जाएगा।

जांच के आदेश

रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन ने बताया कि मामले में अगर किसी भी पुलिस वाले की भूमिका पाई जाएगी तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिजनों के द्वारा जो भी आरोप लगाए गए हैं, उस पर गहनता

गोड्डा में सरकारी संस्थानों से चोरी, 6 गिरफ्तार:पुलिस ने भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा पुलिस ने सरकारी स्कूलों और संस्थानों से लगातार हो रही चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस संबंध में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थित सरकारी स्कूलों और पंचायत भवनों जैसे संस्थानों से लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन घटनाओं के संबंध में विभिन्न थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, गोड्डा एसपी मुकेश कुमार ने इनकी रोकथाम और अज्ञात चोरों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को सूचना मिली कि दियाजोरी गांव में कुछ अपराधी चोरी का सामान छिपाकर रखे हुए हैं।

अलग-अलग छापेमारी दल गठित किए

इस सूचना पर, एसपी मुकेश कुमार ने महागामा, मुफस्सिल, बलबड्डा, मेहरमा और पथरगामा थाना पुलिस को मिलाकर अलग-अलग छापेमारी दल गठित किए। इन दलों ने महागामा थाना क्षेत्र के दियाजोरी गांव में सिकंदर अंसारी और शौकत अंसारी के घरों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान, स्कूलों और पंचायत भवनों से चोरी किए गए सरकारी सामान के साथ-साथ सिकंदर अंसारी के घर से एक अवैध देशी कट्टा भी बरामद किया गया।

गिरफ्तार सिकंदर अंसारी और शौकत अंसारी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर इस मामले में संलिप्त चार अन्य अभियुक्तों अशफाक अंसारी, एनामूल अंसारी, बिनय कुमार जायसवाल और गोपाल यादव को भी गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर मेहरमा थाना क्षेत्र से विभिन्न मामलों में चोरी किए गए सामान को बरामद कर जब्त किया गया। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अपराध स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर कांड अनुसंधान में अन्य तथ्यों के प्रकाश में आने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पाकुड़ बस स्टैंड के पास चोरी का प्रयास चोरों ने पांच दुकानों का ताला तोड़ा

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास रविवार रात चोरों ने पांच दुकानों में सेंध लगाने की कोशिश की। चाय, चाऊमीन और गैस की दुकानों में ताला काटने के बाद भी चोर अधिकांश दुकानों से कुछ नहीं ले जा सके, लेकिन सोहेल की चाऊमीन दुकान से एक गैस सिलेंडर चुराने में सफल रहे। लगातार हो रही चोरी की कोशिशों ने दुकानदारों में डर का माहौल बना दिया है। सभी दुकानदारों ने सोमवार सुबह घटना की जानकारी होते ही पुलिस को सूचना दी।

दहशत में दुकानदार, ताला टूटा देखकर घबराए : घटना पाकुड़-बड़हरवा मुख्य मार्ग किनारे बनी डिल्लू, अशरफ शेख, खालिद अंसारी और सोहेल गैस सर्विस की दुकानों में हुई। रात के अंधेरे में चोरों ने दुकानों के ताले काटे और एक शटर को काफी नुकसान पहुंचाया। सोहेल ने बताया कि वे रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह पहुंचे तो ताला टूटा देखकर घबरा गए। अंदर जाकर देखा

तो सामान तो सुरक्षित था, लेकिन गैस सिलेंडर गायब था। दूसरे दुकानदारों के यहां भी चोरी का प्रयास किया गया, हालांकि चोर हाथ साफ करने में सफल नहीं हो पाए।

पहले भी हो चुकी है चोरी : स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले बस स्टैंड स्थित एक मैगी प्वाइंट में भी चोरी हुई थी, लेकिन दुकानदार ने थाने को इसकी जानकारी नहीं दी। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज करने की वजह से चोरों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। आसपास रहने वालों ने बताया कि रात में दो टेंपू पर सवार होकर कुछ असामाजिक तत्व बस स्टैंड क्षेत्र में घूमते रहते हैं और मौका मिलते ही चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

नर्चर किड्स स्कूल में कला व विज्ञान प्रदर्शनी

फुसरो, एजेंसी। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के करगली सीनियर क्वार्टर स्थित नर्चर किड्स स्कूल में रविवार को कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि सीसीएल बीएंडके एरिया के स्टाफ ऑफिसर माइनिंग कन्हैया शंकर गेवाल, पूर्व वार्ड पार्षद रश्मि सिंह, कृष्ण सुदर्शन स्कूल के प्राचार्य विवेकानंद पांडेय, विद्यालय के प्राचार्य जय राठौर, उपप्राचार्य रूबी राठौर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। यहां कला प्रदर्शनी में कक्षा एलकेजी, यूकेजी से लेकर पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने रंगों और भावनाओं की दुनिया को दर्शाते हुए पेंटिंग, ड्राइंग, हस्तशिल्प, मिट्टी एवं पोस्टर टू आर्ट मॉडल, पारंपरिक एवं आधुनिक कलाकृतियां प्रस्तुत की। इस दौरान प्रतिभागी सूरज पांडेय, शुभम टोप्पो, प्रेम दीप, सीरिन आबीद को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। साथ ही एकेडमिक परफार्मेंस सर्टीफिकेट ज्योति कुमारी, सीरिन आबीद, उन्नत, प्रिंस, सत्यम, नव्या, हर्ष को अतिथियों ने प्रमाण पत्र दिया।प्राचार्य जय राठौर कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्र छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभाग, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा नवाचार क्षमता को प्रोत्साहित करना है।

23 साल बाद झांगुर गिरोह का खात्मा:सरगना रामदेव उरांव रांची से पकड़ाया

नरसंहार, अपहरण, रंगदारी, गोलीबारी जैसे 50 आरोप

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में 23 वर्षों से दहशत फैलाने वाले झांगुर गिरोह के सुप्रीमो रामदेव उरांव को पुलिस ने रांची से गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, लेकिन पुलिस सूत्रों के अनुसार यह ऑपरेशन बेहद गोपनीय तरीके से चलाया गया। जिले में उग्रवाद के खिलाफ यह बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि माओवादी, पीएलएफआई और जेजेएमपी जैसे संगठनों की गतिविधियां पहले ही कमजोर पड़ चुकी थीं। रामदेव की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही गुमला, बिशुनपुर, चौनपुर और घाघरा क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों से लेकर ठेकेदारों और खदान संचालकों तक, सभी लंबे समय से उसकी रंगदारी और अत्याचार का सामना कर रहे थे। लोगों का कहना है कि उसकी गिरफ्तारी से इलाके में अब शांति और सुरक्षा का माहौल बन सकेगा।

50 से अधिक संगीन मामले, 2002 से सक्रिय था गिरोह : रामदेव उरांव पर नरसंहार, अपहरण, रंगदारी, गोलीबारी और आगजनी जैसे 50 से अधिक

गंभीर मामले दर्ज हैं। 2002 में सक्रिय होने के बाद उसका गिरोह लगातार कत्ल और आतंक की घटनाओं को अंजाम देता रहा। 20 जनवरी 2025 को घाघरा के देवरागानी में हुई पुलिस मुठभेड़ में उसके फरार होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। खुफिया इनपुट के आधार पर रांची में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान आखिरकार उसे पकड़ लिया गया।

सूत्रों का कहना है कि पुलिस फिलहाल उसे एक गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछ कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि पूछताछ से गिरोह के छिपे हथियारों, फंडिंग नेटवर्क और सक्रिय सहयोगियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

कभी ग्रुप में थे 30 से अधिक हथियारबंद कैडर : एक समय था जब रामदेव 30 से अधिक हथियारबंद कैडरों के साथ चलता था। मारकुस मुंडा की हत्या कर उसने गिरोह की कमान अपने हाथ में ली थी। लेकिन पुलिस के लगातार दबाव, गांवों में बढ़ती मुखबिरी और कमजोर होते नेटवर्क के कारण उसकी ताकत घटती गई। गिरफ्तारी के समय वह केवल 5-6 लोगों के सहारे जंगलों और शहरी इलाकों में छिपता फिर रहा था।

रामदेव ने छह शादियां की थीं, लेकिन पुलिस दबाव के बाद उसकी कई पत्नियां रहस्यमय तरीके से गायब हो गईं। देवरागानी स्थित उसका पैतृक घर कुर्की-जब्ती के बाद खंडहर में तब्दील हो चुका है। रामदेव की गिरफ्तारी को गुमला जिले में उग्रवाद के लगभग अंत जैसा माना जा रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि अब क्षेत्र विकास और स्थायी शांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

गुमला में फिर दो हादसों ने ली दो जिंदगियां:एक बच्ची और एक महिला की मौत, एक दर्जन लोग घायल

गुमला, एजेंसी। गुमला और लातेहार जिले की सीमावर्ती क्षेत्रों में रविवार रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने पूरे इलाके को दहला दिया। रायडीह और महुआडांड़ में हुई इन घटनाओं में एक डेढ़ माह की बच्ची और एक महिला की मौत हो गई। करीब एक दर्जन लोग घायल हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को गुमला सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर लोगों को रांची के रिम्स रेफर किया गया है। दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में हुआ। पहली घटना रायडीह प्रखंड के काशीर मरियमटोली के पास हुई, जहां रांची लौट रही एक बोलेनो कार अचानक अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डेढ़ माह की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में सवार सात लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत सभी घायलों को गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल 54 वर्षीय पात्रीक बेक और 29 वर्षीय नीलोफर एक्का को रिम्स रेफर किया गया है। पात्रीक बेक के दोनों हाथ टूट गए हैं और नीलोफर की आंख के नीचे गहरी चोट आई है।पात्रीक ने बताया कि वे अपनी बहन के घर कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रांची लौट रहे थे। मरियमटोली के पास ड्राइवर को झपकी आने से वाहन नियंत्रण खो बैठा। फिलहाल मृत बच्ची की पहचान की प्रक्रिया जारी है।दूसरी घटना महुआडांड़ में हुई, जहां धान से भरा एक पिकअप वाहन देर शाम अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन में सवार 65 वर्षीय लाजरूस टोप्पो, 40 वर्षीय सिलवेनिया टोप्पो और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया।

झारखंड में पांच दिसंबर तक पड़ेगी कड़ाके की ठंड

रांची, एजेंसी। दिसंबर की शुरुआत के साथ ही झारखंड में मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में सुबह-शाम ठंड तेजी से बढ़ गई है। तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण लोगों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। अस्पतालों के ओपीडी में सर्दी-खांसी के मरीजों की संख्या बढ़कर 80प्रतिशत तक पहुंच गई है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी होगी, जिससे हल्की राहत मिलेगी। लेकिन अगले ही दिन तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट की संभावना है। 2 से 5 दिसंबर के बीच प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ेगी और रांची का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से नीचे जा सकता है। रांची के मैक्लुस्कीगंज और कांके में पारा 5 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से रातें और ज्यादा ठंडी होंगी। पिछले 24 घंटे में चाईबासा का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री रहा, जबकि गुमला का न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार पठारी इलाकों तक रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री की कमी देखी जाएगी। दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, गिरिडीह और देवघर में दिन का पारा 26 से 30 डिग्री रहेगा, जबकि रात में तापमान 12 से 16 डिग्री के बीच रहेगा। कई ऊंचाई वाले स्थानों पर सुबह के समय हल्का कोहरा भी छा सकता है। चतरा, कोडरमा, हजारीबाग और गढ़वा में उत्तर-पश्चिमी हवाएं और तेज होंगी, जिससे रात का तापमान 8 से 12 डिग्री तक गिर सकता है। यहां ठिठुरन लगातार बढ़ती जाएगी।

वोकल फॉर लोकल से आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी मजबूती- बाबूलाल

रांची, एजेंसी। मन की बात कार्यक्रम के 128वें एपिसोड को सुनने के लिए प्रदेश भाजपा ने आज रविवार को पुख्ता तैयारी कर रखी थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने दुमका में मन की बात कार्यक्रम को सुना। वहीं पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने अपने पैतृक गांव कुचु ओरमांझी में जबकि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मन की बात कार्यक्रम को सुना। दुमका में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं और जनता को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में भारत के उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम सभी भूभाग की विशेषताओं की ज्ञानवर्धक चर्चा हुई। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विदेशी मेहमानों को भारत के सांस्कृतिक विरासत से जुड़े उपहार देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांस्कृतिक विरासत को विश्व में महिमा मंडित किया है। भारत की सांस्कृतिक विरासत, प्रतिभावान युवाओं उपलब्धियां, खेल खिलाड़ियों की उपलब्धियां, श्रीराम मंदिर पर धर्म ध्वजा आरोहण, काशी के तमिल संगम जैसे सनातन संस्कृति की चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि त्योहारों में वोकल फॉर लोकल के प्रचार प्रसार ने आत्म निर्भर भारत को मजबूती प्रदान की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 30 नवंबर 2025 को 'मन की बात' कार्यक्रम के 128वें एपिसोड में नवंबर महीने में देश की कई प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

रांची में 'ट्री एम्बुलेंस' की नई पहल

बीमार पेड़ों को दे रही नई जिंदगी, 5 साल में 3 हजार पेड़ों का उपचार

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के घटते शहरी ग्रीन कवर को बचाने के लिए आरकेडीएफ विवि ने सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सहयोग से एक बेहद अनोखी पहल शुरू की है। 'ट्री एम्बुलेंस' नाम की यह परियोजना अब शहर की हरियाली को नया जीवन देने का बड़ा माध्यम बन चुकी है।

पिछले 5 वर्षों में इस मोबाइल क्लिनिक ने रांची और आसपास के इलाकों में 3000 से अधिक बीमार पेड़ों का सफलतापूर्वक इलाज किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि शहरीकरण की तेज रफ्तार में जिस तरह पेड़ संक्रमित और कमजोर होते जा रहे हैं। ऐसे समय पर यह पहल पर्यावरण संरक्षण का मजबूत मॉडल बनकर उभरी है। यह उदाहरण भी है कि कॉर्पोरेट और शैक्षणिक संस्थानों का सहयोग मिलकर शहरों के हरित भविष्य को कैसे सुरक्षित कर सकता है।

मोबाइल क्लिनिक की तरह काम करती है ट्री एम्बुलेंस : ट्री एम्बुलेंस पूरी तरह से पेड़ों के इलाज के लिए तैयार एक मोबाइल यूनिट है।

इसमें मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने वाले उपकरण, जैविक कीटनाशक, विशेष उर्वरक और बीमारी पहचानने वाली तकनीकी सामग्री मौजूद रहती है। सूचना मिलते ही 2 या 3 विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंचकर पेड़ों की जांच करती है और उसी समय उपचार शुरू कर देती है।

कई बीमारियों की पहचान बिना देरी किए हो जाती है, जिससे पेड़ जल्द ठीक हो जाते हैं। इस परियोजना का विचार आरकेडीएफ विवि के रजिस्ट्रार डॉ. अमित कुमार पांडेय को 2020 में आया था। 22 अगस्त, 2020 को विवि के एमडी सिद्धार्थ कपूर ने इसकी औपचारिक शुरुआत की। शुरुआत से ही सीसीएल ने वित्तीय और तकनीकी सहयोग देकर इस परियोजना को मजबूत आधार दिया।

तीन चरणों में पेड़ों को दिया जाता है नया जीवन

उपचार: सबसे पहले पेड़ों की बीमारी की जांच होती है। जरूरत पड़ने पर जैविक कीटनाशकों और उर्वरकों का इंजेक्शन दिया जाता है, जिससे संक्रमण तेजी से खत्म हो सके।

मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाना: कई पेड़ों का कमजोर होना मिट्टी के खराब होने की वजह से भी होता है। टीम ऐसे मामलों में मृदा उपचार कर उसकी गुणवत्ता बढ़ाती है।

मरम्मत: संक्रमित या मृत शाखाओं की छंटाई कर पेड़ को राहत दी जाती है। इससे उसका विकास तेज होता है और वह स्वस्थ रूप से बढ़ने लगता है। इन प्रक्रियाओं ने हजारों पेड़ों को नया जीवन दिया है।

जल्द पूरे झारखंड को मिलेगी यह सेवा : परियोजना की सफलता को देखते हुए अब आरकेडीएफ विवि इसे रांची से बाहर भी विस्तार देने की तैयारी में है। सहायक कुलसचिव पंकज चटर्जी के मुताबिक, आने वाले समय में प्रतिवर्ष इलाज किए जाने वाले पेड़ों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

इसके साथ ही स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण देकर सामुदायिक भागीदारी को मजबूत किया जाएगा। बड़े इलाकों में पेड़ों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए ड्रोन और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीक को भी जोड़ा जाएगा।

'धोखा ही धोखा', बीजेपी ने जारी किया आरोप पत्र; बाबूलाल बोले- नहीं मिल रही मंईयां सम्मान योजना की राशि

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष पूर्ण होने पर जो आरोप पत्र जारी दिया उसमें जनता से धोखा देने का आरोप लगाया है।

प्रदेश कार्यालय में अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू, विधानसभा में सचेतक नवीन जायसवाल, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, योगेंद्र प्रसाद और रविनाथ किशोर ने आरोपपत्र जारी किया।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा के इस आरोप पत्र में राज्य सरकार के सात चुनावी घोषणा की जांच की गई है। भाजपा ने पाया है कि दूसरे कार्यकाल के पहले साल में सरकार कोई वादा पूरा नहीं कर पाई। जनता को पिछले छह सालों से धोखा ही धोखा मिला है। युवाओं को एक लाख रोजगार का वादा करने वाली सरकार ने मात्र आठ हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दिए हैं। जबकि प्रतिवर्ष पांच से सात हजार कर्मचारी सेवानिवृत होते हैं। इसी तरह मंईयां सम्मान की राशि भी बड़ी संख्या में महिलाओं को नहीं मिल रही है। इसके लिए बनाया गया पोर्टल खुलता ही नहीं है। राज्य सरकार जनता से धोखा दे रही है जिसे भाजपा ने बेनकाब किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार ने सात किलो अनाज देने का वादा किया था। जबकि पांच किलो राशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार पहले से दे रही है। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में आदिम जनजाति समुदाय के पास भी राशन नहीं पहुंच रहा है।

मरांडी ने कहा कि जनता से किया यह वादा भी झूठा निकला। इसके अलावा राज्य में आदिवासी समुदाय की बच्चियों से सबसे अधिक दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं। आदिवासी समाज सबसे असुरक्षित है। चंगाई सभा के नाम पर मतांतरण कराने वालों को सरकारी संरक्षण दिया जा रहा है। आधुनिक युग में चंगाई सभी जैसे अंधविश्वास को बढ़ावा देने वालों पर सरकार मेहरबान है।

अब परंपरागत खेती की जगह ले ली मशीनों ने, 15 मिनट में हो रहा है दो दिन का काम

बेरमो, एजेंसी। बेरमो अनुमंडल में समय के साथ खेती-किसानी के तरीकों में तेजी से बदलाव आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले जहां खेती के अधिकतर काम पशुओं के माध्यम से किए जाते थे, लेकिन अब यह परंपरा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। धान की झड़ाई, खेत की जुताई जैसे कार्यों में मशीनों ने परंपरागत तरीकों की जगह ले ली है। इससे न केवल किसानों के श्रम में कमी आई है, बल्कि उत्पादन में तेजी और समय की बचत भी होने लगी है। किसान बताते हैं कि पहले पशुओं से धान झड़ाई में काफी समय और मेहनत लगती थी। नर्रा गांव के किसान विनोद महतो ने कहा कि चार डिसमिल की जमीन में उपजे धान झाड़ने में दो दिन तक का समय लग जाता था। खलिहान में बैल चलाना, धान फैलाना और बार-बार उसे उलट-पलट करना काफी मेहनत का काम था। लेकिन अब मशीनों के आने से परिस्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब वही काम महज 10 से 15 मिनट में आसानी से निपट जाता है। थ्रेशर आपरेटर आनंद कुमार बताते हैं कि आधुनिक थ्रेशर मशीनों से एक घंटे में 40 डिसमिल क्षेत्रफल में तैयार हुई धान की

फसल की झड़ाई हो जाती है। इसका खर्च भी किसानों की पहुंच में है। एक घंटे का खर्च करीब 1200 रुपए आता है। वहीं, एक एकड़ फसल की झड़ाई दो घंटे में पूरी की जा सकती है और खर्च 1200 से 2400 रुपए के बीच होता है। पहले जहां यह काम कई लोगों में की मेहनत और एक से दो दिनों के समय में पूरा होता था, अब मशीनों के कारण किसान कम समय में अधिक कार्य कर पा रहे हैं। किसानों ने कहा- तकनीक ने खेती को दी नई दिशा किसानों का कहना है कि मशीनों से जहां समय की बचत होती है, वहीं खेतों में काम करना भी आसान हो गया है। जुताई, बुआई, धान झड़ाई और फसल कटाई सभी में मशीनों के प्रयोग से खेती अधिक व्यवस्थित और उत्पादक बन रही है। इससे खेतों में मेहनत कम होने के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता भी बेहतर हो रही है।

कटकमदाग पुलिस ने चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया:तीन चोर गिरफ्तार

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में सोना-चांदी के गहने, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य चोरी की वस्तुएं बरामद की गई हैं। गिरफ्तार चोरों ने कटकमदाग, सदर और लोहसिंघना थाना क्षेत्रों में हुई कई चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

इस मामले की शुरुआत 22 नवंबर को हुई थी, जब विष्णुपुरी गली नंबर-15 निवासी पिंकी कुमारी के घर दिनदहाड़े ताला तोड़कर चोरी की गई। चोरों ने सोना-चांदी सहित कई कीमती आभूषण चुरा लिए थे। इस संबंध में कटकमदाग थाना में कांड संख्या 194/25 दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने

तकनीकी विश्लेषण, छापेमारी और गुप्त सूचना के आधार पर जांच शुरू की।

जांच के दौरान, 28 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली कि डोकोटांड़ निवासी सुभाष चंद्र बोस उर्फ टैक्सी विष्णुपुरी गली नंबर-4 में चोरी करने की नीयत से घूम रहा है। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में टैक्सी ने पिंकी कुमारी के घर हुई चोरी के साथ-साथ कटकमदाग में 4, सदर में 4 और लोहसिंघना थाना क्षेत्र में 2 अन्य चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

टैक्सी की निशानदेही पर पुलिस ने पहले से दर्ज कांड संख्या 195/25, 180/25 और 163/25 से संबंधित चोरी का सामान बरामद किया। इसी के साथ, गिरोह के अन्य दो सदस्य भोला प्रसाद सोनी और अमित दुबे को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने तीनों आरोपियों के पास से 541.5 ग्राम सोना, बड़ी मात्रा में चांदी के गहने (जिसमें पायल, बिछिया, कटोरी, चम्मच, सिक्के और अन्य आभूषण शामिल हैं), 577 ग्राम आर्टिफिशियल ज्वेलरी, एक लैपटॉप, एक इन्वर्टर, एक होम थिएटर और जेवर गलाने का उपकरण बरामद किया है।

देवघर में सांसद खेल महोत्सव: सांसद निशिकांत दुबे ने खेल अधिकारियों के साथ की बैठक

देवघर, एजेंसी। शनिवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे एक निजी समारोह में शामिल होने देवघर पहुंचे। जहां उन्होंने सांसद खेल महोत्सव को लेकर खेल जगत के अधिकारियों के साथ विस्तृत संवाद किया। इस बैठक में उन्होंने खेल पदाधिकारी के साथ बैठक करते हुए सांसद खेल महोत्सव को सफल बनाने के निर्देश दिए। वहीं सांसद निशिकांत दुबे ने एसएआर पर भी बयान देते हुए तल्ख टिप्पणी की।

इस बैठक में जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुनील खवाड़े सहित खेल से जुड़े सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। सुनील खवाड़े ने जानकारी दी कि 21 दिसंबर से 26 दिसंबर तक प्रस्तावित सांसद खेल महोत्सव में पूरे लोकसभा क्षेत्र से लगभग पांच हजार खिलाड़ी शामिल होंगे। जिसमें करीब दो हजार खिलाड़ी सक्रिय होंगे। उन्होंने इस आयोजन को प्रतिभा का बड़ा समूह का

अवसर बताया, जो युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि इस महोत्सव के सफल संचालन के लिए भारत सरकार सहायता प्रदान करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं यह निर्देशित कर चुके हैं कि जिला स्तर के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर उनकी क्षमता का संवर्धन किया जाए, ताकि उभरते खिलाड़ी बड़े मंच तक पहुंच सकें।

सियासी बहस का केंद्र बने एसआईआर मुद्दे पर भी सांसद ने अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि रविवार को संसद की बैठक है और विपक्ष जो भी बयान देगा, उसके बाद वे अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगे। सांसद ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यह विषय चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है और यदि आयोग आवश्यक समझे, तो उसका निर्णय वैध माना जाएगा।

झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी द्वारा एसआईआर के विरोध में दिए गए वक्तव्य पर निशिकांत दुबे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मंत्री महोदय को बुद्धिमत्ता का अभाव है, इसीलिए वे अक्सर सोच के बिना टिप्पणी कर देते हैं। सांसद निशिकांत दुबे के इस तंज में राजनीतिक गरमी और तीखा हमला दोनों ही स्पष्ट झलकते हैं।

देवघर आगमन का उद्देश्य भले निजी कार्यक्रम रहा हो, लेकिन सांसद ने इसे खेल परिषद के अधिकारियों और खिलाड़ियों से संवाद का महत्वपूर्ण अवसर बनाया। उन्होंने जिले के खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए आगामी महोत्सव को अनुशासित और भव्य रूप देने पर जोर दिया।

जामताड़ा में खुलेगी शिबू सोरेन नाम से डिजिटल लाइब्रेरी, छात्रों को मिलेगी मदद

जामताड़ा, एजेंसी। जिले को डिजिटल लाइब्रेरी की सौगात मिलने जा रही है। जामताड़ा जिला प्रशासन एक ओर स्कूलों में साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलकर छात्रों को जागरूक करने का काम कर रहा है दूसरी ओर डिजिटल लाइब्रेरी खोलकर स्कूली बच्चों एवं युवाओं को उनके भविष्य संवारने का काम कर रहा है। प्रशासन ने जिला मुख्यालय में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम से डिजिटल लाइब्रेरी तैयार की है। डिजिटल माध्यम से बच्चों को प्रशिक्षण शिक्षा देने का काम किया जाएगा। ताकि इस लाइब्रेरी में छात्र, अपने पाठ्यक्रम की सारी जानकारी और करियर बनाने की दिशा में आगे बढ़ सके।

डिजिटल लाइब्रेरी में 50 बच्चों की व्यवस्था : डिजिटल लाइब्रेरी में 50 बच्चों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जिससे एक साथ 50 बच्चे डिजिटल लाइब्रेरी में पाठ्यक्रम की जानकारी ले सकेंगे और आसानी से एक दूसरे को साझा कर

सकेंगे। जिला प्रशासन द्वारा डिजिटल लाइब्रेरी में प्रशिक्षण देने का भी काम किया जाएगा। इसके साथ ही लाइब्रेरी को लेकर जानकारी बच्चों को दी जाएगी। प्रमाण पत्र भी बांटे जाएंगे।

डिजिटल लाइब्रेरी को लेकर उत्साहित हैं छात्र : जिला प्रशासन की इस पहल से छात्रों में खासकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं में काफी उत्साह है। दरअसल, पाठ्यक्रम पुस्तक के अभाव में ऑनलाइन जानकारी लेने के लिए जहां बच्चों को इधर-उधर जाना पड़ता था, जिसमें कमजोर वर्ग के बच्चे पढ़ाई से वंचित रह जाते थे लेकिन अब डिजिटल लाइब्रेरी खुलने से उन्हें आसानी से लाभ मिल सकेगा और अपना भविष्य संवारने का उन्हें मौका मिलेगा।

अवैध आरा मिल संचालकों की अब खैर नहीं, जिला प्रशासन कर रही है कार्रवाई

देवघर, एजेंसी। जिला में अवैध आरा मिल को लेकर जिला प्रशासन लगातार छापेमारी और गश्ती करती दिख रही है। इसी को लेकर पिछले कई दिनों से देवघर जिला के कई इलाकों में छापेमारी जारी है। जिसमें कई इलाकों के अवैध आरा मिल को बंद करने का निर्देश दिया गया। देवघर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि अवैध आरा मिल पर रोक लगाने के लिए जिला वन पदाधिकारी को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जहां पर अवैध पेड़ कटाई या फिर वातावरण को हानि पहुंचाई जा रही है, वहां पर तुरंत ही कानूनी कार्रवाई भी की जाती है।

देवघर के जिला वन पदाधिकारी अभिषेक भूषण ने बताया कि पूरे

क्षेत्र में फॉरेस्टर की निगरानी में टीम बनाकर जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। देवघर के जंगली क्षेत्रों और खनन क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को भी जानकारी दी जाती है और उन्हें जागरूक किया जाता है।

यदि कोई भी वन क्षेत्र में अवैध पेड़ की कटाई करें तो तुरंत ही वन विभाग के संबंधित दूरभाष नंबर पर जानकारी साझा करें।उन्होंने बताया कि सिर्फ चालीस आरा मिलों को वन विभाग के तरफ से अधिकृत किया गया है। इसके अलावा जितने भी आरा मिल जिले में चल रहे हैं, वो सभी अवैध और गलत तरीके से संचालित हो रहे हैं।

इंटर के बाद नहीं मिली नौकरी, करने लगे खेती, बोकारो चंद्रपुरा के किसान हीरालाल महतो ने रचा इतिहास

बोकारो, एजेंसी। मैं चंद्रपुरा प्रखंड के तारानारी पंचायत का युवा किसान हूं। वर्ष 2016 में इंटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में असफल रहा। खेती-किसानी से पहले मैं ट्रैक्टर चलाता था। अपने ही ट्रैक्टर से काम शुरू किया। उसी वर्ष 36 डिसमिल जमीन पर खेती की शुरुआत की। अपनी मेहनत, लगन और नई तकनीकी सोच से खेती को नए मुकाम पर पहुंचाया। मैं मानता हूं कि अगर इच्छा शक्ति मजबूत हो तो कम संसाधन में भी सफलता हासिल कर सकते हैं।

मैंने कम जमीन पर खेती शुरू की। धीरे-धीरे अनुभव और तकनीकी ज्ञान के बल पर आज 9 एकड़ जमीन पर खेती कर रहा हूं। 8 एकड़ जमीन लीज पर ली है। पुराने तरीकों को छोड़कर वैज्ञानिक तकनीक, प्लास्टिक मलचिंग और ड्रिप इरिगेशन प्रणाली को अपनाया।

उपजा रहे ग्राफ्टिंग बैगन, खीरा, टमाटर, कद्दू : इन तकनीकों के जरिए ग्राफ्टिंग बैगन, खीरा, टमाटर, कद्दू, करेला, कोहड़ा और गोभी जैसी कई सब्जियों की खेती कर रहा हूं। खेती में और मेरी पत्नी अनिता देवी का बराबर का सहयोग रहा। कई मजदूरों को सालभर रोजगार मिला रहा है। मेरे पिता पारंपरिक खेती करते थे। उनसे खेती का मूल ज्ञान सीखा। मेरे यहां राज्य के कई जिलों से प्रशिक्षु किसान खेती देखने आते हैं। उन्हें मैं प्रेरित करता हूं। जो आज खेती कर अपना जीविकोपार्जन अच्छी तरह से चला रहे हैं।

सालाना कमा रहे ढ़ाई से तीन लाख : वैज्ञानिक खेती के जरिए हर साल ढाई से तीन लाख रुपए की आमदनी होती है। बाजार जाने की जरूरत नहीं पड़ती। विक्रेता मेरे खेत से ही उपज खरीद लेते हैं। बची सब्जियां गोमो और फुसरो मंडी में बेचता हूं। मुझे कृषि एवं उद्यान विभाग से पैक हाउस, पीपीटी, कीट-रहित पौध उत्पादन यूनिट, मनरेगा कूप और पीएम कुसुम योजना से सोलर पंप सेट और ड्रिप एरिगेशन प्रणाली जैसी सुविधाएं मिली हैं। खेती अगर वैज्ञानिक तरीके से की जाए, तो यह सबसे बड़ा रोजगार है। मेहनत और सही तकनीक से खेती में आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक विकास संभव है।

कृषि व उद्यान विकास विभाग से लिया वैज्ञानिक प्रशिक्षण : मैंने कृषि एवं उद्यान विकास विभाग से वैज्ञानिक प्रशिक्षण लेकर आधुनिक तकनीक को अपनाया। पहली ट्रेनिंग हरियाणा में ली थी। वहां पर पौधे की बीमारी की जानकारी व नर्सरी के संबंध में जाना। दूसरी ट्रेनिंग बनारस ली थी। वर्तमान में 50 डिसमिल में 1300 ग्राफ्टिंग बैंगन और 550 खीरा पौधे लगाए हैं। साथ ही अपनी नर्सरी में 12000 बंधा गोभी के पौधे तैयार किए हैं। अब तक करीब 40 हजार रुपए की लागत आ चुकी है।

कौन हैं हीरालाल महतो : किसान हीरालाल महतो के घर में चार सदस्य हैं। बेटा और बेटी बाहर में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। किसान की पत्नी भी खेती में बराबर का साथ देती है। पिता के कहने पर पहले 50 डिसमिल जमीन पर खेती करना शुरू किए। उस समय पुरानी तकनीकी से खेती कर रहे थे। बाद में वह कृषि विभाग से प्रशिक्षण लेकर आधुनिक तरीके से खेती करने लगे और आज वह करीब 9 एकड़ जमीन पर खेती कर लाखों रुपए कमा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में हत्या के आरोपी के घर कुर्की, जगदेव नगर में पांच घंटे तक चली कार्रवाई

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के नवादा पुलिस ने रविवार को जगदेव नगर मोहल्ले में हत्याकांड के फरार आरोपी के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी विजय सिंह के पुत्र सोनू सिंह उर्फ सोमू सिंह के घर की गई, जो पिछले कई महीनों से फरार चल रहा है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने घर से खिड़की, दरवाजे, बक्सा, कुर्सी सहित अन्य घरेलू सामान जब्त किया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया करीब पांच घंटे तक चली। जानकारी के अनुसार, 27 सितंबर 2020 को नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर स्थित दुर्गा मंदिर के पास उपेंद्र सिंह उर्फ मिथुन सिंह की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना में मृतक के दोस्त प्रिंस सिंह बजरंगी भी गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। मामले में मृतक के पिता सीताराम सिंह की ओर से दीपक, सुमन, बिट्टू और रिशु को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी के बाद पुलिस ने अधिकांश आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन सोनू सिंह उर्फ सोमू सिंह तब से ही फरार था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट के आदेश पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घर का तलाशी अभियान चलाया और जब्ती सूची के अनुसार सामानों को कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। बता दें कि इससे पहले बीते गुरुवार को दो लाख के इनामी और तरारी के भकुरा निवासी दीपक पांडेय के घर भी पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की थी। लगातार फरार चल रहे आरोपितों के खिलाफ पुलिस की यह सख्त कार्रवाई जिले में अपराधियों के प्रति सख्त रुख का संकेत मानी जा रही है।

भोजपुर में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में बगवां रलवे क्रॉसिंग के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। मौके पर मौत हो गई। ड्राइवर गाड़ी मौके से फरार हो गया। मृतक रामबाबू चौधरी(54) टाउन इलाके के रौजा मोहल्ला वार्ड नंबर-28 के रहने वाले थे। ताड़ी फड़ बेचने का काम करता था। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र की है। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए। मुआवजे की मांग को लेकर रेलवे क्रॉसिंग के पास शव को बीच सड़क पर रख कर जाम कर दिया। इस दौरान दोनों लेन में के बीच रख जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। सड़क जाम की सूचना पाकर गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत घटनास्थल पर पहुंचे। समझाने बुझाने के बाद बाद लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। आरपीएफ इंस्पेक्टर को बुलाने की मांग करने लगे। इसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार पहुंचे और जाम को हटवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के बेटे सरोज कुमार ने बताया कि वह बाइक से मेरी बहन खुशबू कुमारी के लिए लड़का देखने पीरो की ओर जा रहे थे। उसी दौरान बगवां रेलवे क्रॉसिंग के पास अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह नीचे गिर पड़े। तभी ट्रक का पिछला चक्का उन पर चढ़ गया। जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक पांच-भाई बहन में तीसरे स्थान पर था। परिवार में पत्नी सीता देवी, तीन पुत्र सरोज कुमार, मनोज कुमार, अमित कुमार और एक पुत्री खुशबू कुमारी है। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर में सड़क किनारे गड्ढे में पेंटर का शव मिला

आरा,भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर में संदिग्ध हालत में एक पेंटर की मौत हो गई। सड़क किनारे गड्ढे में शव मिला है। परिजनों ने हत्या के बाद शव फेंके जाने की आशंका जताई है। घटनास्थल से मोबाइल भी मिला है। मृतक हरी पासवान(45) उदवंतनगर के गजरागंज गांव का रहने वाला था। सूचना मिलते ही धोबहा थानाध्यक्ष वर्षा रानी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की छानबीन की जा रही है। घटना धोबहां थाना क्षेत्र के धोबहां गांव की है। मृतक के बेटे गोलू कुमार ने बताया कि गांव के ही रहने वाले संजय के साथ पहली बार लग्न में हलवाई का काम करने के लिए गए थे। जहां देर रात पार्टी में झगड़ा हो गया। इसके रात बारह बजे वहां से घर के लिए निकले थे। निकलने स पहले उन्होंने फोन किया था, लेकिन मैं सो गया था। जिसके चलते कॉल रिसीव नहीं कर सका। गोलू ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिताजी जहां काम करने गए थी, वहीं चाकू से मारकर उनकी हत्या कर दी गई। हमलोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। कोई विवाद भी नहीं है। संजय से जब पूछा को उन्होंने बताया तुम्हारे पिता का पार्टी में झगड़ा हुआ था। उसके बाद वह वहां से निकल गए थे।पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। मृतक पांच-भाई बहन में सबसे छोटा था। परिवार में पत्नी सविता देवी, तीन बेटी रूपा, सुजाता, भुटुक और एक बेटा गोलू है।

सम्राट चौधरी के गृहमंत्री बनते ही एक्शन-10 दिन में दूसरा एनकाउंटर

छपरा/ सारण, एजेंसी। बिहार में नई सरकार के गठन होने के साथ ही पुलिस बदमाशों के खिलाफ एक्शन मोड में है। छपरा में रविवार सुबह पुलिस और कुख्यात अपराधी शिकारी राय के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें हत्या के आरोपी शिकारी राय के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे मौके से ही पकड़ लिया और एम्बुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस की निगरानी में उसका इलाज जारी है। दरअसल कल रविवार की दोपहर एक शख्स की अपराधियों ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बिशनपुर इलाके में स्क्वॉड टीम छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस ने शिकारी राय को पकड़ लिया, लेकिन हथियार रिकवर करवाने के दौरान उसने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की।

इस गोलीबारी में एक एएसआई घायल हो गए हैं।

उन्हें तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। एसएसपी कुमार आशीष ने बताया, 'गोली शिकारी राय के बाएं पैर में लगी है। मौके से 2 पिस्टल, 8 जिंदा गोली बरामद हुई है। उसने पुलिस पर 2 गोलियां चलाई हैं। उसने कबूल किया है कल हुई हत्या में वो शामिल था।'

अपराधियों ने दौड़ाकर सिर में मारी गोली : रविवार दोपहर छपरा के नगर थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन के बिल्कुल पास 41 साल के शख्स को दौड़ा कर गोली मारी गई थी। मृतक की पहचान कटिहार जिला के दहरिया चौक निवासी कृष्णा सिंह के बेटे आजाद सिंह उर्फ भीष्म राय के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश में रह रहा था।

अपराधियों ने आजाद सिंह को करीब 20 मीटर तक दौड़ाया और बाद में सिर में नजदीक से गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात इतनी नजदीकी पर हुई कि पुलिस लाइन की सीमा से महज 50 मीटर की दूरी पर ही अपराधियों ने पूरी घटना को अंजाम दिया। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अधेड़ भागते हुए अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा था। पिस्टल लहराते हुए दो अपराधी लगातार पीठ की ओर से गोलियां चलाते हुए उसका पीछा कर रहे थे।

जान बचाने की कोशिश में वह सड़क किनारे स्थित एक निजी मकान में घुस गया, लेकिन अपराधी भी हत्या की मंशा से आए थे और वे घर तक पीछे-पीछे पहुंच गए। भीतर पहुंचकर उन्होंने नजदीक से सिर में गोली मार दी। बताया जा रहा है, गैंगवार में आजाद सिंह की हत्या हुई। आजाद पर 10 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज थे।

शिकारी राय पर हत्या, लूट, रंगदारी के 7 केस : एनकाउंटर में घायल अपराधी पर जिला के अलग अलग थानों में 7 मामले दर्ज है। जिसमें हत्या, लूट, रंगदारी जैसे संगीन केस हैं। शिकारी राय मूल रूप से गड़खा थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर गांव का रहने वाला है। शिकारी राय जमीन के कारोबार से भी जुड़ा हुआ है।

लंबे समय से पुलिस की रडार पर था शिकारी राय : जानकारी के अनुसार, शिकारी राय लंबे समय से पुलिस की रडार पर था। उस पर हत्या, लूट और रंगदारी जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकारी राय सालों से इलाके में सक्रिय अपराधी गिरोह का हिस्सा रहा है।

कई बड़े आपराधिक मामलों में उसकी भूमिका की जांच पहले से ही चल रही थी। एनकाउंटर में घायल होने के बाद अब पुलिस उसके नेटवर्क, सहयोगियों और हालिया आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी खंगाल रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकारी राय से पूछताछ इस पूरे गिरोह की जड़ों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

बिहार खेल विश्वविद्यालय में बनेगा ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र

नालंदा, एजेंसी। बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर में जल्द ही ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना होगी। यह घोषणा भारत सरकार के संयुक्त सचिव कुणाल कुमार ने की है। इस पहल के साथ बिहार उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां भविष्य के ओलंपिक चैंपियनों को तैयार किया जाएगा। संयुक्त सचिव कुणाल कुमार ने कहा कि बिहार के युवा खिलाड़ियों में अपार संभावनाएं हैं। सही मार्गदर्शन एवं सुविधाओं के साथ वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

गेम चेंजर साबित होगा

संयुक्त सचिव ने स्पष्ट किया कि ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र बिहार के एथलिटों के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा। यहां विश्वस्तरीय कोचिंग, आधुनिक खेल सुविधाएं और वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे प्रशिक्षित खिलाड़ी न केवल ओलंपिक बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भी पदक जीतने में सक्षम होंगे।

यह पहल केवल विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। इससे राज्य को देश के खेल मानचित्र पर एक मजबूत और प्रतिष्ठित स्थान मिलेगा। अब तक बिहार के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

मधुबनी विधायक को शिक्षकों ने सम्मानित किया:कई समस्याओं को लेकर हुई चर्चा

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी में शनिवार शाम सर्किट हाउस में कार्यरत नियमित शिक्षक समन्वय समिति ने नव निर्वाचित विधायक माधव आनंद का स्वागत और सम्मानित किया।

इस अवसर पर शिक्षकों ने विधायक को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। शिक्षकों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्हें शिक्षाविद और युवा विधायक माधव आनंद से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विधायक सभी कोटि के शिक्षकों की समस्याओं और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए पहल करेंगे।

विधायक माधव आनंद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षकों की सभी समस्याओं का समाधान करना और समाज में उनका उचित सम्मान सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम में समन्वयक काशी नारायण मिश्र, अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी, सचिव सतीश कुमार सिंह, वरीय उप सचिव नवनीत कुमार, कोषाध्यक्ष मो मुस्लिम, उपाध्यक्ष संजय पासवान, मनोज मंडल, पंकज चौधरी और मुज्जफर हसन मौजूद थे। टीआरई अध्यापक समूह से शुभम कुमार और आदित्य प्रकाश यादव, तथा प्रधान शिक्षक समूह से लाल बाबू नायक और मो मोइनिद्दीन ने भी भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, समिति के शिक्षक विनोद कुमार साहू, कन्हैया मिश्रा, राजेश रंजन, राजीव चौधरी, धीरज ठाकुर, सुधाकर सिंह, संजय श्रीवास्तव, छोटे प्रसाद यादव, संजय मिश्रा, रमेश कुमार, बिमल बिहारी दत्त और नलिन ठाकुर सहित 50 से अधिक शिक्षक उपस्थित रहे।

हरनौत प्रखंड के 21 कृषि कर्मियों पर गिरी गाज, पराली जलाने पर सख्ती

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले में पराली प्रबंधन और फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफल रहने पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हरनौत प्रखंड में तैनात 17 किसान सलाहकार, दो कृषि समन्वयक और दो सहायक तकनीकी प्रबंधकों के वेतन भुगतान पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) नितेश कुमार ने इन सभी 21 कर्मियों को 24 घंटे के भीतर शोकॉज नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

क्या है पूरा मामला : हरनौत प्रखंड के विभिन्न गांवों में धान की कटाई के बाद पराली जलाने का सबसे ज्यादा मामला सामने आया है। पंचायत स्तर पर तैनात कृषि कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि फसल जलाने की शिकायत मिलते ही स्थलीय जांच कर दोषी किसानों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला स्तर पर रिपोर्ट प्रेषित करें। आदेशों की खुलेआम अवहेलना करते हुए इन कर्मियों ने न तो समय पर रिपोर्ट भेजी और न ही वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई। जबकि प्रखंड स्तर पर गठित धावा दल के निरीक्षण में हरनौत क्षेत्र के अनेक खेतों में पराली जली हुई मिला

80 किसानों का रजिस्ट्रेशन रद्द : यह पहली बार नहीं है जब लापरवाह कर्मियों पर कार्रवाई हुई है। दो दिन पहले भी नूरसराय, थरथरी और हरनौत के प्रखंड कृषि पदाधिकारियों और तीनों प्रखंडों के पांच कर्मियों पर कार्रवाई की गई थी। डीएओ नितेश कुमार ने स्पष्ट किया कि जिले में अब तक पराली जलाने के दोषी 80 किसानों का निबंधन रद्द किया जा चुका है। लापरवाह पदाधिकारियों और कर्मियों पर भी लगातार कार्रवाई हो रही है। आगे भी फसल अवशेष जलाने वाले किसानों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

पटना जू में हीटर की गर्मी में सो रहा शेर : चिंपांजी-भालू खा रहे च्यवनप्राश-मुरब्बा

पटना, एजेंसी। ठंड आने के साथ ही पटना जू में जानवरों और पक्षियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। जानवरों के नाइट हाउस में खिड़की में पुआल और पर्दे लगाए गए हैं, ताकि ठंडी हवा अंदर ना जा सके। बाघ और शेर के बाड़े में हीटर लगाए गए हैं। सांपों के केज में हाई वोल्टेज बल्ब लगाए गए हैं। इसके अलावा जानवरों के खाने में भी बदलाव किए गए हैं। मांसाहारी जानवरों को मांस के साथ-साथ अंडे भी दिए जा रहे हैं। चिंपांजी और बंदरों को च्यवनप्राश खिलाया जा रहा है। पक्षियों को मूंगफली दी जा रही है।

शेर-बाघ को दिया जा रहा अंडा

जू प्रशासन के मुताबिक ठंड के समय में जानवरों का विशेष ध्यान रखा जाता है। नाइट हाउस में शेर और बाघ के बैठने के लिए लकड़ी के प्लेटफार्म बनाए गए हैं, ताकि वह ठंडे फर्श पर ना बैठे। शेर और बाघ के बाड़े में खासकर हीटर लगाया गया है। दिन के समय ये धूप में आराम करते हैं, लेकिन रात की ठंड में इनका सहारा हीटर बन रहे हैं। शरीर को गर्म रखने के लिए अंडा भी दिया जाता है।

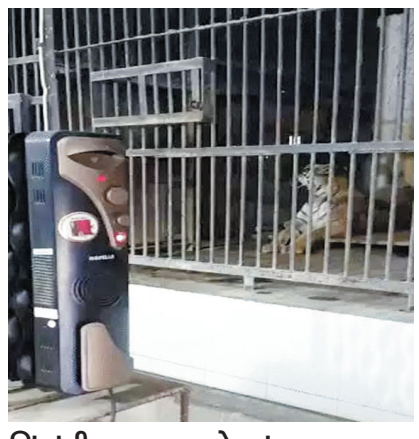

चिंपांजी-भालू खा रहे आंवला-मुरब्बा और च्यवनप्राश

वहीं, चिंपांजी-भालू को आंवला मुरब्बा और च्यवनप्राश खिलाया जा रहा है। खुले मैदान में रहने वाले जानवर जैसे हिरण और जिराफ के लिए खुले मैदान में पुआल बिछाया गया है, ताकि वह ठंड में उसपर बैठ सके और साथ ही छोटे शावक को केयर टेकर की ओर से बोरे का खोल बनाकर पहनाया गया है। पटना-जू में जानवरों के पीने और नहाने के लिए जू-प्रबंधन की ओर से गर्म पानी का खास तौर पर इंतजाम किया गया है। उन्हें हल्का गर्म पानी पीने के लिए दिया जाता है। इसके साथ ही उस पानी में नमक मिलाया जा रहा है।

सांप के केज में लगाए गए हाई वोल्टेज बल्ब

पक्षियों के लिए भी खास व्यवस्था की गई है। उनके पिंजरे को किनारे से कपड़ों से घेरा गया है, ताकि हवा कम जाए। इसके साथ ही हर एक पक्षी के पिंजरे में मिट्टी और पुआल से एक छोटा सा नाइट हाउस बनाया है, ताकि वह उसमें आराम कर सके। पक्षियों को खाने में फल के अलावा चना और मूंगफली दी जा रही है। वहीं, मोर को खाने में अंडा दिया जा रहा है। सांप के केज में हाई वोल्टेज बल्ब लगाए गए हैं और उन्हें कंबल दिए गए हैं, जिस पर वह आराम फरमाते नजर आ रहे हैं।

शकूराबाद में धड़ल्ले से हो रही सूखे नशे की तस्करी

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद के शकूराबाद थाना क्षेत्र में सूखे नशे की तस्करी तेजी से बढ़ रही है। शकूराबाद बाजार और आसपास के इलाकों में इसकी बढ़ती सक्रियता से युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासी अशोक कुमार ने बताया कि कई किशोर और युवा खुलेआम सूखे नशे का सेवन कर रहे हैं। इससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और वे मानसिक रूप से अस्थिर होते जा रहे हैं। नशा विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक इसके सेवन से दिमागी संतुलन पर गहरा असर पड़ता है, जिससे युवाओं का व्यवहार हिंसक और अनियंत्रित हो सकता है।

इस तस्करी को बढ़ावा देने में युवा तस्करों का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। ये तस्कर छोटी-छोटी टीमें बनाकर कई इलाकों में नशे की आपूर्ति कर रहे हैं। स्थानीय लोग इस सिंडिकेट के प्रभाव से भयभीत हैं, जिसके कारण वे खुलकर बोलने से हिचकिचा रहे हैं। ग्रामीणों कृष्ण कुमार और मनोज कुमार ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

चौथम के रुपनी में खड़ी कार में लगी आग शॉर्ट सर्किट के कारण धू-धूकर जली गाड़ी

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र अंतर्गत पश्चिमी बौरने पंचायत के वार्ड नंबर 2 रुपनी में शनिवार देर रात एक खड़ी कार शॉर्ट सर्किट के कारण धू-धू कर जल गई। घटना में टाटा कंपनी की स्काडा मॉडल कार पूरी तरह राख हो गई। जानकारी के अनुसार, रुपनी निवासी जयलाश पासवान, जो यमुना पासवान के पुत्र हैं, की कार उनके घर के सामने खड़ी थी। अचानक रात के समय शॉर्ट सर्किट से कार में आग लग गई। जब तक मालिक और स्थानीय लोग जागते, तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

वाहन मालिक और स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना चौथम थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए एसआई मोहम्मद मजीद आलम को घटनास्थल पर भेजा गया है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेगी। इस अग्निकांड से वाहन मालिक जयलाश पासवान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद उनके परिवार में चिंता का माहौल है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर खेती कर रहे नालंदा के किसान, एक एकड़ से 3 लाख की कमाई, लागत 30प्रतिशत तक कम

नालंदा, एजेंसी। मेडिकल व इंजीनियरिंग के अलावा कृषि में भी बेहतरीन कॅरियर हो सकता है। आज करीब 40 एकड़ में आलू, प्याज, खरबूजा, नींबू, मिर्च, बैगन, पपीता, हल्दी जैसी 15 से ज्यादा नगदी फसलें किसान उपजाते हैं और बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा झारखंड और बंगाल तक उसके उत्पादों की सप्लाई करते हैं। इसके अलावा इनके खेतों के उत्पाद निजी कंपनियां भी खरीदती हैं। हाल ही इन्होंने प्याज की खेप सिलिगुड़ी भेजी है। इनके खेतों से निकला खरबूजा कोलकाता की मंडियों में बिकता है।

बिहार के प्रगतिशील किसान में आज बात नालंदा के अमेश विशाल की। अमेश ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की है। लेकिन, उन्होंने इसे बतौर कॅरियर अपनाने की जगह खेती को चुना। पिता त्रिवेणी प्रसाद पारंपरिक खेती करते थे। खुद की अच्छी-खासी जमीन थी। साल 2020 में अमेश ने व्यवसायिक तौर पर खेती की शुरुआत की।

नालंदा के सरमेरा प्रखंड के हुसैना गांव के रहने वाले अमेश विशाल बताते हैं कि ऐसी कोई फसल नहीं जो बिहार की मिट्टी में नहीं हो सके। उनके मुताबिक मिट्टी से ज्यादा जरूरी है- पानी का प्रबंधन। फसलों की सिंचाई पानी को कंट्रोल करते हुए करें, तो फसलें अच्छी होंगी। यह संभव हो पाया ड्रिप एरिगेशन से। उन्होंने तकरीबन 27 एकड़ खेत में ड्रिप एरिगेशन सिस्टम लगा रखा है। जरूरत के मुताबिक ही फसलों का पटवन करते हैं और उन्नत उत्पादन लेते हैं। अमेश ने बताया कि पहले शिमला मिर्च और चुकंदर की खेती यहां की मिट्टी के

अनुकूल नहीं मानी जाती थी। पर अब तकनीकों के अपनाने से इनकी अच्छी-खासी पैदावार ली जाती है।

खर-पतवार का प्रबंधन आसानी से हो जाता : अमेश आलू-प्याज को छोड़ अन्य फसलें मल्चिंग तकनीक से उपजाते हैं। इससे खर-पतवार का प्रबंधन आसानी से हो जाता है। खर-पतवार प्रबंधन पर होने वाले अतिरिक्त खर्च को कम करने के लिए वे पूरे खेत में पॉलीथिन बिछाकर मल्चिंग तकनीक का उपयोग करते हैं।

पॉलीथिन में सिर्फ पौधा लगाने वाली जगह पर छेद किया जाता है, जिससे खेत में खर-पतवार नहीं उगता और लगभग 30 प्रतिशत तक लागत कम हो जाती है। कृषि क्षेत्र में प्रबंधन आज भी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासकर खेतों में निकाई-गुड़ाई पर किसानों की भारी पूंजी खर्च हो जाती है, जिससे न सिर्फ लागत बढ़ती है बल्कि आमदनी सीमित रह जाती है। कई बार किसान अपनी लगाई पूंजी भी नहीं निकाल पाते। ऐसी स्थिति में अमेश विशाल ने पारंपरिक तरीके से अलग हटकर उदाहरण पेश किया है।

एक एकड़ से 2 से 3 लाख तक की सालाना आमदनी : अमेश विशाल बताते हैं कि खेती भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह ही पूंजी और प्रबंधन की मांग करती है। इसलिए किसानों को नुकसान से बचने के लिए विविध फसलों को विकल्प के रूप में अपनाना चाहिए। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान अमेश ने लगभग 14 राज्यों का भ्रमण किया। इस सफर ने उन्हें खेती के आधुनिक तौर-तरीकों से परिचित कराया। यहीं से उन्होंने मल्चिंग और ड्रिप एरिगेशन तकनीक के महत्व को समझा। इसी ज्ञान के आधार पर वे पिछले पांच सालों से समेकित कृषि प्रणाली के तहत नगदी फसलों की खेती कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बरात में रंगशाला देखने के दौरान दो पक्षों में मारपीट

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के गांव नगला खारी में शनिवार रात बरात चढ़त के दौरान रंगशाला (डांस पार्टी) देखने के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दी गई है। प्रथम पक्ष के उमेश ने तहरीर में कहा है कि गांव के बाबूराम की बेटी कुसमा की शादी में रंगशाला (डांस पार्टी) आई थी, जिसे देखने दूसरे पक्ष से भगवान दास उर्फ भीमा अपने साथियों के साथ रंगशाला के पास पहुंचा। आरोप है कि इसी दौरान उमेश और भीमा में गाली-गलौज होने के साथ मारपीट हो गई। ग्रामीणों ने दोनों को अलग-अलग कर दिया। वहीं भीमा पक्ष की ओर से दी गई तहरीर में आरोप है कि बारात चढ़त के बाद उमश पक्ष ने भीमा के घर में घुसकर मारपीट कर घर में खड़ी बाइक व अन्य सामान की तोड़फोड़ कर दी। प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में मारपीट व तोड़फोड़ की जानकारी मिली है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत, कमरे में फंदे से लटका मिला शव, पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच में लगी

अमेठी, एजेंसी। अमेठी जिले के पीपरपुर के दुर्गापुर गांव में सोमवार की सुबह एक विवाहिता मृत अवस्था में मिली। रवींद्र वर्मा की पत्नी सपना वर्मा (25) का शव कमरे में गमछे से लटका मिला। सपना के मायके पक्ष ने इस मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग उठाई है। सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम पहुंची। टीम ने कमरे का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में मामला कई बिंदुओं पर आधारित दिखा है। मायके पक्ष ने कहा कि घटनास्थल की स्थिति सामान्य नहीं लग रही, इसलिए सभी पहलुओं की जांच आवश्यक है। सपना की शादी तीन वर्ष पहले हुई थी। मौत के कारण पर अभी कोई पुष्टि नहीं है। इंस्पेक्टर श्रीराम पांडेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्थिति स्पष्ट होगी। परिजनों के बयान सहित सभी संबंधित बिंदुओं की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

हाईवे पर बोलेरो की टक्कर से पलटा लोडर, दबकर चालक की मौत

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर तकिया मेला द्वार के पास बोलेरो की टक्कर से लोडर पलट गया। इसमें दबकर चालक की मौत हो गई। चार अन्य लोग चोटिल हो गए। आईं। पुलिस ने जांच की और घायलों का प्राथमिक उपचार कराया। घटना के बाद चालक बोलेरो लेकर भाग निकला। रायबरेली जिले के थाना खीरो क्षेत्र के जगन्नाथगंज निवासी राकेश गुप्ता (42) लोडर चलाते थे। शनिवार को पड़ोसी गांव से बरात लेकर बिहार थाना क्षेत्र के ककरारी गांव आए थे। रात करीब 12 :30 बजे घर जा रहे थे। चार और साथी लोडर में बैठ गए। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर बिहार थाना क्षेत्र के तकिया मेला द्वार के सामने तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से लोडर डिवाइडर पर पलट गया।चालक राकेश लोडर में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों साथियों को मामूली चोट आई। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छोटे भाई गणेश ने बताया कि राकेश की पत्नी रेखा और दो बच्चों में अंशिका और विष्णु हैं। बेटे की मौत से मां बिटाना और अन्य परिजन बेहाल हैं। बिहार थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। भाई की तहरीर पर अज्ञात बोलेरो चालक पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

घर में घुसकर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म

डिडौली, एजेंसी। घर में घुसकर गांव के ही पांच लोगों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। थाना पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो अब न्यायालय के आदेश पर दो सगे भाई समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। यह मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां पर किसान का परिवार रहता है। 4 अप्रैल 2025 को किसान घर से बाहर गया हुआ था। इस दौरान उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ घर में सोई हुई थी। तभी गांव के रहने वाला साहिल, रजा, मुजफ्फर, शाकिर और नौशाद घर में घुस आए और तमंचे के बल पर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के शोर मचाने पर पहुंची पड़ोसी महिला के साथ भी अभियुक्तों ने छेड़खानी की। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी अभियुक्त पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़िता ने मामले की शिकायत डिडौली कोतवाली पुलिस से की तो अभियुक्त ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जांच करने के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं की। लिहाजा पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर साहिल, रजा, मुजफ्फर, शाकिर और नौशाद के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

लखनऊ में बिजली के 1,13,758 डिफाल्टर... घर, दुकान और कार्यालय पहुंचेगा नोटिस, बिल चुकाने पर फायदा

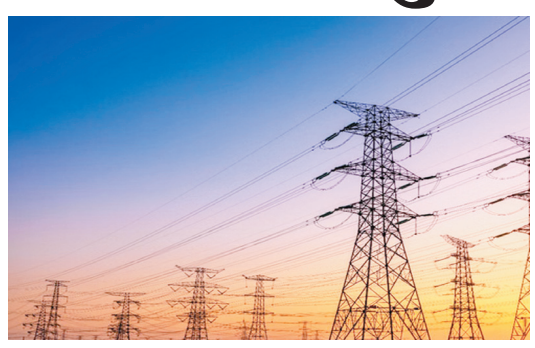

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में गांव से लेकर शहर तक 1,13,758 बिजली डिफाल्टर चिह्नित हुए हैं। इन पर लगभग 842 करोड़ रुपये की देनदारी है। इनमें 72,748 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने बिजली तो जलाई, मगर बिल नहीं चुकाया, जबकि 41,010 उपभोक्ता बिजली चोरी के मामलों में पकड़े गए हैं। ऐसे सभी बकायेदारों के लिए पावर कॉर्पोरेशन बिजली बिल राहत योजना (एकमुश्त समाधान योजना) लेकर आया है।

एक दिसंबर से शुरू हो रहे पहले चरण में डिफाल्टरों के 100 प्रतिशत ब्याज माफ किए जाएंगे और मूल रकम पर भी 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सभी बकायेदारों के नोटिस तैयार होकर कार्यालयों तक पहुंच चुके हैं। सोमवार से इन नोटिसों को डिफाल्टरों के घर, दुकान, कार्यालय भेजने का काम शुरू हो जाएगा।

जनसुविधा एवं बिलिंग केंद्रों पर पंजीकरण : मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए शहर से लेकर गांव तक सभी जनसुविधा एवं बिलिंग केंद्रों पर पंजीकरण होगा। उपभोक्ता सिर्फ अपना खाता नंबर देकर यह जानकारी हासिल कर सकते हैं कि उन्हें एकमुश्त भुगतान या किश्तों में कितना लाभ मिलेगा।

बिजली चोरी में फंसे उपभोक्ताओं के लिए 50 प्रतिशत छूट : अमौसी जोन के मुख्य अभियंता महफूज आलम के अनुसार, निगोहां से रहीमाबाद और बंथरा-हरौनी से आलमबाग तक कुल बिजली चोरी में फंसे 29,111 उपभोक्ताओं पर करीब 414 करोड़ रुपये बकाया है। पहले चरण में जुर्माना भरने पर 50 प्रतिशत, दूसरे में 45 प्रतिशत और तीसरे चरण में 40 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। यानी दो लाख रुपये का जुर्माना सिर्फ एक लाख में समाप्त हो सकता है।

प्रदेश के बिजली बकायदारों के लिए खुशखबरी, प्रदेश में लागू होगी बिल माफी योजना

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में सोमवार से शुरू हो रही बिजली राहत योजना में एक से 31 दिसंबर तक पंजीयन कराने वाले उपभोक्ताओं को सरचार्ज में पूरी और मूल बिल के बकाये में 25 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके बाद जनवरी में 20 फीसदी और फरवरी में 15 फीसदी छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उपभोक्ताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

प्रदेश में एमएलवी 1 (घरेलू) अधिकतम दो किलोवाट और एलएमवी 2 (वाणिज्यिक) एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को बिजली बिल बकाये में राहत दी जा रही है। एक से 31 दिसंबर तक मूलधन में 25 फीसदी और सरचार्ज में शत प्रतिशत छूट देने की व्यवस्था पहली बार की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जनकल्याणकारी कदम है। इसका सीधा लाभ आम नागरिकों

और छोटे बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। योजना का लाभ एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक उठा सकते हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बिजली बिल राहत योजना में कभी बिल जमा न करने वाले, लंबे समय से बिल नहीं जमा करने वाले और चोरी के प्रकरणों के समाधान वाले उपभोक्ताओं को शामिल किया गया है।

गांव-गांव उपभोक्ताओं से संपर्क कर पंजीयन कराएं अधिकारी : डॉ. गोयल

पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि उपभोक्ता से संपर्क कर उसे योजना की जानकारी दें। गांव-गांव मुनादी कराएं। बकाये का नोटिस दें। गांवों में जाकर बकायेदारों का पंजीयन कराएं। पंजीकरण के दौरान 2000 रुपये जमा करने होंगे। पंजीकरण कराते समय शेष बकाया विद्युत बिल का भुगतान करने के लिए विकल्प उपलब्ध होंगे, जिसमें से उपभोक्ता द्वारा एक विकल्प का चयन किया जाएगा। चेकिंग संख्या एवं उपभोक्ता अकाउंट आईडी अंकित करने पर छूट संबंधी सभी सूचना ऑनलाइन दिखेगी। योजना की जानकारी 1912 से भी ली जा सकती है।

दो नए एसटीपी बनेंगे, एक हफ्ते में शुरू होगा काम

लखनऊ , एजेंसी। गोमती नदी में प्रदूषण कम करने के लिए दो नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। फैजुल्लागंज से सटे लोनीपुरवा एसटीपी को मंजूरी मिल चुकी है और एक सप्ताह के अंदर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वहीं कुकरैल नाले के किनारे बनने वाले एसटीपी का प्रस्ताव तैयार है, जो राज्यस्तरीय तकनीकी समिति की मंजूरी मिलने के बाद करीब छह महीने में जमीन पर उतर जाएगा।

इन दोनों एसटीपी के चालू होने पर गोमती में गिरने वाला प्रदूषण काफी हद तक घटेगा। वर्तमान में शहर के 26 नालों में से 19 नालों को भरवारा और दौलतगंज एसटीपी से जोड़ा जा चुका है। सात बड़े नाले अभी भी सीधे नदी में गिरते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोमती को प्रदूषणमुक्त बनाने के निर्देश दिए थे। कोई बड़ा प्रोजेक्ट पास होकर नहीं आया है। यह दोनों प्रोजेक्ट पहले के हैं।

सीवर ज्यादा, एसटीपी कम : फिलहाल शहर में निकलने वाले कुल 790 एमएलडी गंदे पानी में से तीन एसटीपी मिलकर सिर्फ 520 एमएलडी का ही ट्रीटमेंट कर पाते हैं। यानी 270 एमएलडी सीवर पानी बिना शोधन सीधे गोमती में पहुंच रहा है। लोनीपुरवा और कुकरैल एसटीपी शुरू होने पर करीब 90 एमएलडी गंदा पानी कम जाएगा।

दिसंबर लगते ही प्रदेश में बढ़ी ठिठुरन और गलन, पछुआ हवाएं गिरा सकती हैं रात का तापमान; पूर्वानुमान जारी

लखनऊ , एजेंसी। दिसंबर लगते ही प्रदेश में ठंड की आवक हुई है। उत्तर प्रदेश में फिर से पछुआ हवाओं की वापसी से सोमवार से ठंड में बढ़ोतरी देखने को मिली। इधर रविवार को प्रदेश में दिन भर 25 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों में पश्चिमी यूपी में दिन व रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। सोमवार से पूरे प्रदेश में ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी।

8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बरेली सबसे ठंडा रहा। वहीं इटावा में रात का पारा 9.4 डिग्री और नजीबाबाद में 9.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी। मंगलवार को सुबह तराई समेत ज्यादातर इलाकों में सुबह शाम हल्के से मध्यम कोहरे का असर दिखाई देगा।

पछुआ हवाओं के जोर से बढ़ी गलन : राजधानी में रविवार को दिन भर तेज पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से धूप की तपिश कम हुई और दिन के तापमान में 1.1 डिग्री की गिरावट आई। शाम होने तक हवा में अच्छी खासी गलन महसूस की गई और शनिवार के मुकाबले रात भी सर्द रही। मौसम विभाग का कहना है कि लखनऊ समेत प्रदेश भर में ठंडी पछुआ के असर से अगले दो-तीन दिनों में दिन व रात के पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर राजधानी में भी दिखाई देगा। ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी।

रविवार को दिन का तापमान 1.1 डिग्री की गिरावट के साथ 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का पारा 0.7 डिग्री की बढ़त के साथ 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

दवाओं ने बदली एड्स संक्रमित दंपतियों की जिंदगी, दोनों के प्रभावित होने पर भी बच्चा हो रहा निरोग

लखनऊ , एजेंसी। एचआईवी-एड्स संक्रमित दंपती दवाओं के प्रभाव की वजह से स्वस्थ बच्चे को जन्म दे पा रहे हैं। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के एंटी रेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर पर एक-दो नहीं बल्कि 80 ऐसे मामले हैं जिनमें एचआईवी-एड्स पीड़ित दंपती ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है।

केजीएमयू के संक्रामक रोग प्रभारी डॉ.डी हिमांशु ने बताया कि आम धारणा है कि एचआईवी-एड्स पीड़ित संक्रमित व्यक्ति के बच्चे भी संक्रमित होते हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। अगर शुरुआती समय से ही संक्रमित एआरटी सेंटर आकर दवाएं लेना शुरू कर दें तो वे संक्रमित व्यक्ति से न सिर्फ शादी कर सकते हैं बल्कि बच्चे भी पैदा कर सकते हैं। दवाओं के प्रभाव से इनके होने वाले बच्चे 99 फीसदी तक गैर-संक्रमित हो सकते हैं।

समझें क्या है एचआई-एड्स

ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स) का कारण बनता है। एचआईवी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है। इसकी वजह से शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। इलाज न होने पर यह एड्स बन जाता है। एड्स एचआईवी संक्रमण का अंतिम और सबसे गंभीर चरण है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली रोगों से लड़ने में असमर्थ हो जाती है। इसकी वजह से संक्रमित व्यक्ति को टीबी समेत कई अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

कैसे होता है संक्रमण

एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का खून दूसरे को चढ़ाने, असुरक्षित यौन संबंध बनाने, संक्रमित सुई का इस्तेमाल दूसरे के लिए करने, गर्भवती से उसके होने वाले बच्चे को यह बीमारी हो सकती है, जिसे दवाओं से ठीक किया जा सकता है।

एचवाई का नहीं है इलाज

डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि एचआईवी का इलाज फिलहाल उपलब्ध नहीं है, लेकिन आधुनिक दवाओं के प्रभाव से संक्रमित व्यक्ति लंबे समय तक जीवित रहता है। इस समय संक्रमित व्यक्तियों के जीवित रहने की दर 37 फीसदी तक पहुंच चुकी है।

सिर में चोट में लगने पर जरूरी है सूजन की स्थिति आंकना

लखनऊ , एजेंसी। संजय गांधी पीजीआई में न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. एके जैसवाल के मुताबिक सिर में चोट लगने की स्थिति में मस्तिष्क में सूजन की स्थिति का आकलन बहुत जरूरी है। विभागाध्यक्ष रविवार को संस्थान में हुई इंट्राक्रैनियल प्रेशर मॉनिटरिंग पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे।

एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख प्रो. अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मरीजों की सेहत के लिए इंट्राक्रैनियल प्रेशर मॉनिटरिंग बहुत जरूरी है। इससे गंभीर मरीजों की जान बचाने में मदद मिलती है। इंट्राक्रैनियल प्रेशर मॉनिटरिंग सिर की चोट, स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर या मस्तिष्क की अन्य समस्याओं के कारण होने वाली सूजन का पता लगाने के लिए की जाती है। सूजन की वजह से सिर के अंदर दबाव बढ़ने से मस्तिष्क को नुकसान हो सकता है। इस प्रक्रिया में, खोपड़ी के अंदर एक छोटा सेंसर या कैथेटर डाला जाता है जो दबाव की निरंतर रीडिंग करता रहता है। इस मौके पर डॉ. रथजीत मित्रा, डॉ. सौमिल जैसवाल, डॉ. अंकुर बजाज, डॉ. संगम यादव और डॉ. दिशा रानी, डॉ. पवन कुमार वर्मा और डॉ. सौमेन कांजीलाल मौजूद रहे।

75 में से सिर्फ 16 जिलों में कार्रवाई... बेसहारा लोगों के पुनर्वास मामले में हाईकोर्ट सख्त, मांगा जवाब

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश के बेघर व बेसहारा लोगों के पुनर्वास मामले में 75 में से सिर्फ 16 जिलों में कार्रवाई किए जाने पर सख्त रुख अपनाया है। इससे असंतुष्ट कोर्ट ने पहले के आदेशों के तहत उठाए गए कदमों की जानकारी अफसरों से मांगी है।

कोर्ट ने मामले में पूरे प्रदेश में समुचित कारवाई का आदेश अफसरों को दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश ज्योति राजपूत की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में राजधानी समेत प्रदेश के जिलों में मंदिरों, अस्पतालों, फुटपाथों आदि के पास रहने वाले बेघर, बेसहारा, मानसिक मंदित लोगों की पीड़ा के मुद्दे को उठाया गया है। याची ने ऐसे लोगों के समुचित इलाज समेत शरण देने के निर्देश जारी करने की गुजारिश की है। राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया कि 16 जिलों में 649 बेसहारा लोगों की पहचान की गई है और उनके पुनर्वास के लिए कदम उठाए गए हैं।

थापर नगर विवाद सुलझा, बातचीत से बनी सहमति, हिंदू परिवार खरीदेगा मकान

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के थापर नगर में मुस्लिम परिवार के मकान खरीदने का मामला रविवार को भी पूरे दिन गरमाया रहा। हालांकि व्यापारी नेता जीतू नागपाल की पहल पर शाम तक दोनों पक्ष विवाद निपटाने पर सहमत हो गए। तय किया गया कि सईद को बेचा गया मकान अब हिंदू परिवार खरीदेगा। सोमवार को इसकी रजिस्ट्री प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। समझौता होने के बाद व्यापारी नेता जीतू नागपाल ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

दरअसल, थापर नगर के रहने वाले अनुभव कालरा ने जली कोठी निवासी सईद को अपना मकान बेच दिया था। इसकी रकम लेकर अनुभव कालरा ने रजिस्ट्री भी करा दी थी। इसके बाद स्थानीय हिंदू परिवारों और अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने पलायन के पोस्टरों के साथ कड़ा विरोध जताया। उनका कहना था कि यहां मुस्लिम परिवार को मकान में नहीं रहने दिया जाएगा।

इस मामले में शनिवार को अखिल भारतीय

हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही की अगुवाई में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने सदर बाजार थाने में छह घंटे तक धरना दिया था। हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। विवाद दूर करने के लिए तीन दिन का समय देकर धरना स्थगित किया गया था। वहीं, वार्ता के लिए थाने बुलाए गए मकान के खरीदार सईद की हालत बिगड़ गई थी। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस प्रकरण में रविवार को पहले थापर नगर गली नंबर सात स्थित गुरुद्वारा सिंह गुरुनानक दरबार में बैठक हुई। इसमें सचिन सिरोही, भाजपा नेता नवीन अरोड़ा, जीतू सिंह नागपाल और थापर नगर के रहने वाले अन्य लोग शामिल हुए। इसमें जीतू नागपाल ने कहा कि वह जिम्मेदारी ले रहे हैं कि यह मकान हिंदू परिवार को ही दिलाएंगे।

इसके बाद शाम छह बजे जीतू सिंह नागपाल के नेतृत्व में सोतीगंज में स्पेयर पार्ट्स की दुकान पर बैठक हुई। इसमें राहुल ठाकुर, वेदांत अरोड़ा, जीतू नागपाल और दूसरे पक्ष से सईद के चाचा कल्लू पहलवान, पार्षद शाहिद पहलवान और शाहबाज शामिल हुए।

जिला अस्पताल में जाना सईद का हाल

जिला अस्पताल में उपचार करा रहे सईद का हाल जानने के लिए युवा सेवा समिति के अध्यक्ष बदर अली पहुंचे। बदर अली ने कहा कि अनुभव कालरा ने अपनी मर्जी से मकान बेचा है। कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए बेवजह इस मुद्दे को तूल दे रहे हैं। पुलिस अधिकारियों से वार्ता हो गई है। उन्होंने कहा कि सईद के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाईओवर की रेलिंग तोड़ कार गिरी, पिता की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद में तेज रफ्तार कार सिहानी गेट थाने के सामने फ्लाईओवर की रेलिंग तोड़कर पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर में जा गिरी। हादसे में पिता की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा बेटा गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस का कहना है कि नींद की झपकी हादसे की प्रमुख वजह प्रतीत हो रही है। सोमवार तड़के करीब साढे तीन बजे अचानक आई तेज आवाज से आसपास के लोग चौंक गए। पुलिस के अनुसार कार तेज रफ्तार में थी और सिहानी गेट थाने के सामने फ्लाईओवर पर अचानक अनियंत्रित हो गई। कार लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 50 फीट नीचे पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर में जा गिरी। जोरदार टक्कर के कारण कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई। पुलिस के मुताबिक कार में संजय नगर सेक्टर-23 के जागृति विहार निवासी प्रिंस और उनके पिता राकेश सवार थे। कार को प्रिंस चला रहा था। हादसे के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को गंभीर हालत में यशोदा अस्पताल भेजा गया। एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि इलाज के दौरान राकेश ने दम तोड़ दिया, जबकि बेटा प्रिंस फिलहाल खतरे से बाहर है। एसीपी का कहना है कि कार चालक को अचानक नींद की झपकी आने से हादसा होने का अंदेशा है।

एक चाह जिसके लिए आतंकी नेटवर्क में शामिल हुई डॉ. शाहीन!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली बम धमाके के मामले में गिरफ्तार की गई अल-फलाह यूनिवर्सिटी की डॉक्टर शाहीन सईद विदेश में बसने की चाहत थी। बताया जा रहा है कि इसी वजह से वह आतंकी नेटवर्क में शामिल हो गई थी। बम धमाका होने से पहले वह वीजा बनवाकर देश से भागने की तैयारी में थी। डॉक्टर शाहीन सईद अपने पूर्व पति के साथ रहने के दौरान ही विदेश में बसने के सपने ले रही थी। उसे विदेश की शान-शौकत ज्यादा आकर्षित कर रही थी। इस वजह से वह विदेश जाने की जुगत में लगी हुई थी। पहले पति से तलाक और मुजम्मिल के साथ शादी के पीछे भी मुख्य वजह यही बताई जा रही है। इसी चाहत ने उसे आतंकी नेटवर्क के करीब पहुंचा दिया। दिल्ली धमाके से सात दिन पहले उसने पासपोर्ट का सत्यापन करवाने के लिए आवेदन कर दिया था, लेकिन पुलिस संबधित रिपोर्ट को जमा नहीं करा पाई थी। इस वजह से वह देश से बाहर नहीं जा सकी थी। सूत्रों का कहना है कि डॉ.मुजम्मिल अहमद और उसके नेटवर्क के बाकी डॉक्टर को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी थी। इस वजह से उसे डर था कि अब पुलिस उसे भी गिरफ्तार करेगी। वहीं डॉक्टर उमर भी भूमिगत हो गया था। इस वजह से वह भी पूर्व योजना के तहत देश से भागने की तैयारी में थी। सूत्रों का कहना है कि बीते गुरुवार को एनआईए(नेशनल इंवेस्टीगेशन टीम) की टीम उसे धौज गांव स्थित अल-फलहा यूनिवर्सिटी लेकर आई थी तो उसके लॉकर की जांच की गई थी। इस दौरान अरब देशों की मुद्रा भी मिली थी। वहीं, सोने के आभूषण भी बरामद किए गए थे। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वह अरब देशों में भागने की फिराक में थी।

चेसिस नंबर बदला और बेच दी; दिल्ली में लग्जरी गाड़ियां चुराने वाले पकड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने दिल्ली से लग्जरी गाड़ी चोरी कर उनके नम्बर बदलकर राजस्थान हरियाणा में बेचने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अनीस अहमद और सुनील की निशानदेही पर पुलिस ने दो गाड़ी बरामद की है। सुनील उर्फ बंटी गाड़ी चोरी करता था और अनीस अहमद को दे दिया करता था। जो उनके चेसिस और नम्बर बदलकर आगे बेच दिया करता था। अनीस अहमद ढिचाऊं कला गांव में अपना वर्कशॉप चलाता है। फिलहाल पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एएटीएस टीम के एसआई गजेंद्र माथुर को सूचना मिली थी कि चोरी की गाड़ी बेचने के लिए गुरुग्राम सेक्टर 26 में डिलिंग होने वाली है। सूचना को पुख्ता करने के बाद इंस्पेक्टर मुकेश कुमार मीणा की टीम ने 29 नवम्बर को पुलिस ने सुनील उर्फ बंटी को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान सुनील ने बताया कि उसने गत दिनों विकासपुरी और बेगमपुर से दो वाहन चोरी कर अनीस को दिए थे। अनीस चोरी के वाहनों को नया करने और पुनर्विक्रय करने का काम करता है। इन गाड़ियों को न्यू फ्रेंड्स ऑटोमोबाइल्स, दिचाऊं रोड, शिव एन्क्लेव स्थित अनीस की वर्कशॉप में तैयार किया जाता था और उसके बाद उन्हें राजस्थान और हरियाणा में बेच दिया जाता था।पुलिस ने वर्कशॉप पर छापा मार कर अनीस को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर हुंडई क्रेटा और मारुति स्विफ्ट डिजायर बरामद की। सामने आया कि गाड़ी चोरी सुनील करता था, वह रेजिडेंशियल कॉलोनियों और पब्लिक पार्किंग में खड़ी गाड़ितयों को निशाना बनाता था।

नमो भारत स्टेशन, बहुमंजिला पार्किंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित राजीव चौक पर नमो भारत ट्रेन के भूमिगत स्टेशन, बस अड्डे के अलावा बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण होगा। इसकी एकीकृत योजना तैयार करने के दिशा-निर्देश जिला उपायुक्त अजय कुमार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को जारी किए हैं।एनसीआरटीसी की दिल्ली के सराय रोहिल्ला से लेकर गुरुग्राम होते हुए रेवाड़ी के बावल तक नमो भारत ट्रेन चलाने की योजना है। केंद्र सरकार ने इस योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस योजना के तहत राजीव चौक पर भूमिगत स्टेशन तैयार होना है। इसको लेकर एनसीआरटीसी ने परिवहन विभाग से पांच एकड़ जमीन देने का आग्रह किया था। इस बीच गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इस जमीन पर बस अड्डा तैयार करने की योजना बना डाली। इसको लेकर फैसला हुआ था कि नमो भारत ट्रेन का स्टेशन भूमिगत होगा, जबकि इसके ऊपर सिटी बस का अड्डा तैयार होगा।

कुछ दिन पहले जिला उपायुक्त अजय कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इसमें एनसीआरटीसी से मुख्य परियोजना प्रबंधक केके गुप्ता के अलावा परियोजना समन्वयक केसी शर्मा मौजूद रहे। जिला

उपायुक्त ने निर्देश जारी किए हैं कि मिनी सचिवालय के सामने 15.2 एकड़ जमीन है। एकीकृत योजना के तहत एनसीआरटीसी इस पूरी जमीन का डिजाइन तैयार करें।

इस जमीन में नमो भारत का स्टेशन, बस अड्डा, बहुमंजिला पार्किंग, पार्क, रेस्तरां, दुकानों का निर्माण, ऑटो रिक्शा की पार्किंग का बंदोबस्त किया जाए। यह सारी सुविधाएं एकसाथ होने के कारण लोगों को राहत मिलेगी। नमो भारत स्टेशन या बस अड्डा पर आने के दौरान उन्हें वाहनों को खड़ा करने की असुविधा नहीं होगी। मिनी सचिवालय में किसी कार्यवश अपने वाहन के साथ आने वाले लोगों को भी मल्टीलेवल पार्किंग बनने के बाद किसी तरह की असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। मौजूदा समय में लोगों को वाहनों को खड़ा करने में दिक्कत होती है। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त वत्सल वशिष्ठ, एसडीएम परमजीत चहल, बीएसएनएल के मुख्य प्रबंधक सुरेश, हरियाणा रोडवेज की यातायात प्रबंधक रीतू शर्मा, पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के कार्यकारी अभियंता चरणदीप राणा, कृषित विभाग से वास्तुकार अभिलाश आदि मौजूद थे।

नमो भारत रूट के लिए 3518 पेड़ कटेंगे- नमो भारत ट्रेन के डीएलएफ साइबर सिटी से लेकर राजीव चौक तक संचालन में 3518 पेड़ों को काटा जाएगा। वन विभाग ने इन पेड़ों की कटाई को लेकर गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की पर्यावरण शाखा को मंजूरी प्रदान कर दी है। बता दें कि एनसीआरटीसी की तरफ से डीएलएफ साइबर सिटी से लेकर राजीव चौक तक एलिवेटिड ट्रैक बनाया जाएगा। राजीव चौक की यह जमीन परिवहन विभाग और कृषि विभाग की है। दो साल से जीएमडीए पांच एकड़ जमीन को बस अड्डा तैयार करने के लिए परिवहन विभाग से मांग रहा है, लेकिन यह जमीन नहीं सौंपी जा रही। तीन महीने पहले नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई थी।

दिल्ली तिगड़ी अग्निकांड: 2 मृतकों की पहचान नहीं; कारण भी अबूझ

● फोरेंसिक टीम ने नमूने लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के तिगड़ी एक्सटेंशन में चार मंजिला इमारत में एक दिन पहले लगी भीषण आग में मारे गए 4 लोगों में से 2 की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। एक अधिकारी ने बताया कि वे आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए अभी भी सुराग तलाश रहे हैं।

घनी आबादी वाले इलाके में स्थित इस इमारत के भूतल पर स्थित एक जूते की दुकान में शनिवार शाम करीब 6:24 बजे आग लग गई। इस घटना में 4 लोगों की मौत हो गई। इनमें से दो की पहचान 38 साल के बिल्डिंग मालिक सतेंद्र उर्फ ??जिमी और उनकी 40 साल की बहन अनीता के रूप में हुई है। मृतकों में अन्य दो पुरुष हैं। माना जा रहा है कि वे दुकान पर मौजूद ग्राहक थे। हालांकि उनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। 40 साल की एक अन्य महिला ममता 25 प्रतिशत तक जल गई हैं और उनका इलाज चल रहा है।

जांचकर्ताओं के अनुसार, परिवार के

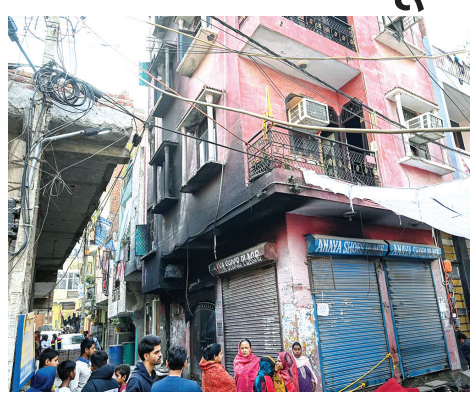

सदस्यों का अनुमान है कि आग दुकान के अंदर रखे एक पुराने रेफ्रिजरेटर से लगी होगी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि परिसर में बड़ी मात्रा में रखे चमड़े और प्लास्टिक के जूतों ने आग में घी का काम किया। आग तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गई।

रविवार को क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने सीलबंद इमारत के अंदर कई घंटे बिताए। टीम ने जले हुए तारों, पिघले हुए उपकरणों और जूतों के अवशेषों के नमूने एकत्र किए। जिस गली में इमारत स्थित है, उसे सुरक्षा के लिए दोनों तरफ से बैरिकेडिंग कर दी गई है। अधिकारी ने कहा कि फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है। बिजली की खराबी सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के एटा के रहने वाले मृतकों के परिवार लगभग तीन दशकों से तिगडी एक्सटेंशन में रह रहे थे। परिवार ने एक पड़ोसी के घर में शरण ली है क्योंकि इमारत को असुरक्षित घोषित कर दिया गया है।

अधिकारी ने कहा कि शेष दो मृतकों की पहचान करने के लिए पुलिस को आस-पड़ोस में गुमशुदगी की रिपोर्ट की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

शशि थरूर ने बढ़ा दी कांग्रेस की टेंशन?

अहम बैठक में फिर नहीं पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर बीते कुछ समय से कांग्रेस से किनारा कसते नजर आ रहे हैं। वहीं वह कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोदी सरकार के फैसलों की तारीफ कर चुके हैं। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीत बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। अब सवाल यह है कि एक दिन पहले ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हाजिर थे। वहीं एक दिन बाद ही कांग्रेस की बैठक से किनारा कर गए। शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए इन्स्टाग्राम पर पोस्ट भी किया था। पीएम मोदी की तारीफ को लेकर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उन्हें निशाने पर भी लिया था। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह 90 वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठख में कांग्रेस के

महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे। वह स्थानीय चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि असल समस्या यह है कि वह देश को ठीक से समझते ही नहीं हैं। उन्हें यही लगता है कि बीजेपी की नीतियां बहुत अच्छी हैं। अगर ऐसा ही है तो वह कांग्रेस में क्यों हैं? वह दोहरा रवैया अपना रहे हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में कोई प्रशंसा करने वाली बात नहीं थी इसके बाद भी शशि थरूर को अच्छी लगी।

ऑस्ट्रियन इंफ्लूएंसर की हत्या

एक्स ने शव को सूटकेस में भरकर जंगल में फेंका; कबूल किया जुर्म

स्लोवेनिया , एजेंसी। ऑस्ट्रिया की एक जानी मानी हस्ती पिछले काफी दिनों से लापता थी। परिजनों की शिकायत पर जब पुलिस ने छानबीन शुरू की, तो उसकी लाश स्लोवेनिया के जंगलों में सूटकेस के अंदर मिली। इस घटना से पूरे यूरोप में सनसनी फैल गई है।

लाश की पहचान ऑस्ट्रिया की मशहूर इंफ्लूएंसर स्टेफनी पीपर के रूप में हुई है। 31 वर्षीय स्टेफनी की मौत से उनके फैंस को भी गहरा धक्का लगा है। इस हत्याकांड को स्टेफनी के पूर्व प्रेमी ने अंजाम दिया।

घर से हुई थी लापता: पुलिस के अनुसार, 23 नवंबर को एक पार्टी से घर लौटने के बाद स्टेफनी अचानक गायब हो गईं थीं। 23 नवंबर की रात स्टेफनी ने अपनी एक दोस्त को मैसेज करते हुए बताया था कि वो सुरक्षित घर पहुंच चुकी हैं। इसके कुछ देर बाद ही स्टेफनी ने दूसरा मैसेज किया कि शायद उनके घर की सीढ़ियों में कोई छिपा है। स्टेफनी के पड़ोसियों ने बताया कि देर रात उनके घर से लड़ाई-झगड़े की आवाज आ रही थी। लोगों ने स्टेफनी के पूर्व प्रेमी को भी बिल्डिंग में देखा था। स्टेफनी के परिजन भी लाख कोशिशों के बाद उन तक नहीं पहुंच पा रहे थे। पुलिस ने जब स्टेफनी के पूर्व प्रेमी की तलाश शुरू की, तो उसे स्लोवानिया में एक जलती हुई कार के पास से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, कई बार ऑस्ट्रिया से स्लोवानिया जाने के कारण 24 नवंबर को उसकी कार में आग लग गई। यह कार ऑस्ट्रिया और स्लोवानिया की सीमा पर मौजूद एक कैसीनो की पार्किंग में खड़ी थी। पुलिस ने जब आरोपी को पकड़कर पूछताछ शुरू की, तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि स्टीफेन की हत्या करने के बाद उनके शव को सूटकेस में भरकर स्लोवेन फॉरेस्ट में फेंक दिया है। पुलिस ने आरोपी के 2 अन्य संबंधियों को भी हिरासत में लिया है।

रूबेन्स की खोई कृति ने मचाया धमाल

ईसा मसीह की दुर्लभ पेंटिंग रिकॉर्ड कीमत पर नीलाम!

रूबेन्स , एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ओसेना ने बताया, ''मुझे इस पेंटिंग को देखकर तुरंत एक एहसास हुआ और मैंने इसे प्रमाणित करवाने के लिए हर संभव प्रयास किया और अंत में हम इसे एंटवर्प स्थित रूबेन्स समिति 'रुबेनियानम से प्रमाणित करवाने में सफल हुए। रूबेन्स पर शोध के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने नीलामी से पहले बताया कि मशहूर कलाकार ने सूली पर चढ़ाए

जाने के दृश्य अक्सर चित्रित किए लेकिन ''उन्होंने बहुत कम अवसरों पर सूली पर मृत अवस्था में ईसा मसीह को दर्शाया। उन्होंने कहा, ''यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते हुए दिखाया गया है और रूबेन्स ने इसे सिर्फ एक बार बनाया था। ओसेना नीलामी हाउस ने बताया कि वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद इस पेंटिंग की प्रामाणिकता और उत्पत्ति की पुष्टि की गई। कला विशेषज्ञ एरिक टुर्किन ने कहा कि यह पेंटिंग 1600 के शुरुआती दशक में लगभग गायब हो गई थी। ऐसी जानकारी है कि 19वीं सदी के फ्रांसीसी क्लासिक चित्रकार विलियम बूगुएरो के पास यह पेंटिंग थी, जिसके बाद यह परिवार के पास पीढ़ियों तक रही।

दिल्ली की हवा में लगातार सुधार, 8 साल में एक्यूआई सबसे बेहतर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में इस साल वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार देखने को मिला है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 के बीच दिल्ली का औसत एक्यूआई 187 रहा, जो पिछले आठ साल में (कोविड-19 लॉकडाउन वाले 2020 को छोड़कर) सबसे कम है। पिछले वर्षों में यही औसत एक्यूआई 201 (2024), 190 (2023), 199 (2022), 197 (2021), 203 (2019) और 213 (2018) था। इससे साफ है कि हवा की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है। वहीं, आप दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि सरकार ने जानबूझकर एक्यूआई डेटा में हेरफेर की, कई बार 500-700 के एक्यूआई को 300-400 दिखाया ताकि ग्राप-3 के तहत लगने वाली पाबंदियों से बचा जा सके और निर्माण कार्य भी प्रतिबंध के बावजूद जारी रहने दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में अब तक सिर्फ तीन दिन ऐसे रहे जब दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार यानी सीवियर श्रेणी में पहुंचा, जबकि 2024 में ऐसे 11 दिन, 2023 में 12 दिन और 2021 में 17 दिन दर्ज किए गए थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस साल अब तक एक भी दिन एक्यूआई 450 से ऊपर (सीवियर+) नहीं गया, जो पिछले वर्षों में आम बात थी।

फांसी व 21 साल कैद बाद अब कोर्ट ने सुनाई नई सजा

शेख हसीना को एक और कानूनी झटका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को ढाका की एक विशेष अदालत से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। इससे पहले इस साल (2025) ही अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना को क्राइम्स एगेन्स्ट ह्यूमैनिटी (2024 छात्र-आन्दोलन खूनखराबे) के लिए फांसी सुनाई थी। और इसके कुछ दिन बाद ही ढाका कोर्ट विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 ने हाल ही मेंशेख हसीना को तीन भ्रष्टाचार-मामलों में 21 साल की जेल की सजा सुनाई है।जमीन घोटाला मामले में अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी करार ोदिया है । शेख हसीना (पूर्व प्रधानमंत्री), शेख रेहाना (हसीना की बहन),तुलिप रिजवाना सिद्दीक (शेख रेहाना की बेटी व ब्रिटिश सांसद)। ये तीनों राजुक द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में दोषी पाए गए। विभिन्न आर्थिक और प्रशासनिक अनियमितताओं के मामले चल रहे हैं। अब एक और मामले में दोषी ठहराया जाना उनकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति

को कमजोर करता है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद हैं का नाम इस फैसले में शामिल होने से यह मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया है। ब्रिटेन की राजनीति और मीडिया में भी इस पर चर्चा शुरू हो चुकी है। अवामी लीग के नेताओं ने इस फैसले को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उनका कहना है कि विपक्षी सरकार हसीना परिवार को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।मामले के जानकारों के अनुसार हसीना की कानूनी टीम उच्च अदालत में अपील दाखिल करेगी। अगर सजा बरकरार रहती है तो हसीना और उनका परिवार लंबे समय तक राजनीतिक संकट में रह सकता है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट से संबंधित है, जो ढाका के पास राजुक द्वारा विकसित एक बड़ा आवासीय प्रोजेक्ट है। आरोप था कि हसीना और उनके परिवार ने अपने प्रभाव का उपयोग करके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट में प्लॉट अवैध तरीके से हासिल किए। मामला कई सालों से जांच में था, और हाल ही में गवाही व दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुनाया। ढाका की विशेष अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाया और तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया गया। अदालत ने कारावास की सजा सुनाई, जिसकी अवधि को लेकर आधिकारिक बयान विस्तृत रूप से सार्वजनिक होना बाकी है। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद, नहीं प्रभावित होंगे संबंध: विदेश सलाहकार हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। लेकिन इस मुद्दे को नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनने देगा। ढाका में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित किए बिना बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है तो हुसैन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, बांग्लादेश उनके जल्द से जल्द भारत से प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। हसीना के खिलाफ पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। जिस दौरान कई प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पांच अगस्त 2024 को उनकी सरकार का पतन हो गया। इसके बाद हसीना ने भागकर भारत में शरण ली। इस साल 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने गैरहाजिर होने पर पूर्व प्रधानमंत्री को मृत्युंद की सजा सुनाई गई। इससे पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। ढाका में मोहम्मद यूनुस नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत भारत के साथ संबंधों के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा, भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेलन होने के लिए कुछ समय चाहिए। हालांकि सलाहकार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ बेहतर संबंध रखना चाहेंगे, जो दोनों पक्षों के हितों पर आधारित हों। पहले की गई मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन ढाका अब नई दिल्ली से जवाब की उम्मीद करता है।

संपादकीय | मतदान वस्तुतः व्यक्तियों का नहीं, एक व्यवस्था का चुनाव है?

जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकारा है उसमें मतदान का बहुत व्यापक अर्थ है, और बहुत बड़ा अर्थ है। मतदान के द्वारा हम न केवल उनका चुनाव करते हैं जो हमारा प्रतिनिधित्व अथवा नेतृत्व करते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि हम न्याय और बंधुता के पक्ष में खड़े है; हम सिर्फ अपने ही हित के लिए नहीं, अपने ही जैसे दूसरे नागरिकों के कल्याण के बारे में भी सोचते हैं।

मतदान वस्तुतः व्यक्तियों का नहीं, एक व्यवस्था का चुनाव है। यह बात समझने और स्वीकारने के बाद हमें यह सोचने है कि मतदान केंद्र पर जाकर हम जो वोट डाल आए हैं, क्या वह उन आदर्शों और मूल्यों के पक्ष में हुआ है या फिर अपने स्वार्थों और अपनी अज्ञानता के चलते हम कोई घटिया समझौता कर आए हैं? ऐसा कोई भी समझौता किसी अपराध से कम नहीं होता।

इसलिए, पेटी में वोट डालने अथवा मशीन का बटन दबाने से पहले जागरूक मतदाता को दस बार सोचना चाहिए कि उसका यह कार्य उस संविधान के अनुरूप है या नहीं जिसने हमें मतदान का अधिकार दिया है? हम और हमारे नेता संविधान के प्रति आदर दिखाने में भले ही पीछे न रहते हों, पर संविधान को सिर झुकाना और बात है, संविधान के प्रति ईमानदारी से निष्ठावान होना और बात।

हमने अपने बड़े-बड़े नेताओं को, सबसे बड़े नेता को भी, न जाने कितनी बार संविधान की कस्में खाते देखा है, हमारे नेता यह कहने में भी संकोच नहीं करते कि देश का संविधान उनके लिए सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक है। पर इस

सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक के प्रति उनका व्यवहार कैसा है? संविधान समानता की बात करता है, हमारे नेता असमानता की होड़ में लगे दिखाई देते हैं।

संविधान कहता है धर्म या जाति के आधार पर देश में कोई भेद-भाव नहीं होना चाहिए, हमारे नेता धर्म के आधार पर वोट बैंक बनाने में लगे रहते हैं। मेरा धर्म और तेरा धर्म की लड़ाई खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही। लोगों को इस बात पर भी आपत्ति है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'रघुपति राघव राजाराम' वाले भजन में 'ईश्वर-अल्लाह तेरा नाम' क्यों जोड़ दिया था!

हमारा संविधान देश के नागरिकों के बीच बंधुता के आदर्श की दुहाई देता है, हम इस आदर्श की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं। समाज को बांटने वाली जो स्थितियां आज देश में दिख रही हैं, कोई धर्म की दुहाई दे रहा है, कोई जाति के नाम पर समर्थन मांग रहा है, उससे एक भय-सा लगने लगा है। विश्व कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक भय-मुक्त वातावरण में अपने देश के उदय होने की प्रार्थना की थी,

वह प्रार्थना तभी पूरी हो सकता है, जब हम समाज को बांटने वाली ताकतों को सफल न होने दें। नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का तकाज़ा है कि हम अपने संविधान की भावना को अपने आचरण का हिस्सा बनायें। इस संदर्भ में अभी जो दिख रहा है, वह कुल मिलाकर निराश ही करने वाला है। ज़रूरी है कि हम इस अवधारणा को अपने सोच और व्यवहार का हिस्सा बनायें कि सबसे पहले, और सबसे बाद में भी, हम भारतीय हैं, फिर कुछ और।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे

ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है. अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिकता के साथ खिलवाड़ है. चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स- ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं. शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है. यह प्रवृत्ति केवल बाजार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है. जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कंपनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है. जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है. आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को 'फैशनेबल' बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है. शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है. सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक जहर है. शराब के घातक दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं. यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है. लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की देन हैं. सड़क दुर्घटनाओं में हजारों लोग शराब के कारण अपनी जान गंवाते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए. चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं. कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं. यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है.

आज का कार्टून

अवसाद की छाया में घिरता जा रहा बचपन

अमित बैजनाथ गर्ग

> अवसाद, चिंता, अकेलापन और दोस्तों या घर-परिवार से किसी तरह का समर्थन नहीं मिलने के कारण बच्चों में आत्महत्या के विचार पनपने लगते हैं। बच्चों के काम करने के तरीके, उनके व्यवहार में आ रहा बदलाव, उनकी खामोशी या फिर गुस्सा और चिड़चिड़ापन जैसी व्यवहारगत आदतें सबसे पहले माता-पिता को पता चलती हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों और दोस्तों को भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आत्महत्या के विचार या योजना बनाने वाले बच्चे या किशोर को तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास ले जाकर उपचार किया जा सकता है। बच्चों और किशोरों की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ना न केवल हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल है, बल्कि हमारे घर-परिवार और समाज की उदासीनता एवं लापरवाही को भी उजागर करता है। आखिर क्यों हम अपने बच्चों को समझ नहीं पा रहे हैं? क्यों हम उनके मन को पढ़ नहीं पा रहे हैं?

देश में बच्चों और किशोरों से संबंधित आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती हैं। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर बच्चे इस तरह का जानलेवा कदम उठाने को क्यों मजबूर हो रहे हैं? दूसरा, हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था और परिवेश में ढाल रहे हैं। तीसरा और सबसे अहम सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सभी पहलू आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं।

असल में आज के दौर में बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। उन पर पढ़ाई और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी बना रहता है। यह दबाव इतना गहरा हो जाता है कि वे अवसाद का शिकार हो जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह कहना गलत नहीं होगा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और आसपास का माहौल नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रहा है।

पिछले दिनों जयपुर के एक स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने विद्यालय भवन की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद मध्य प्रदेश के रीवा में एक स्कूली छात्रा ने खुदकुशी कर ली थी। इसी तरह दिल्ली के एक स्कूल के छात्र ने मेट्रो प्लेटफार्म से कूदकर अपनी जान दे दी। इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोर देने वाली हैं। सवाल है कि इन विद्यार्थियों के मन में पनपती पीड़ा को आखिर कोई क्यों नहीं समझ पाया, जो उनकी मौत का कारण बन गया। दरअसल, बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के किशोरों और वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का एक बड़ा कारण है। खुदकुशी के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा, स्कूल में शिक्षकों या सहपाठियों का अनुचित व्यवहार, पारिवारिक कलह, हिंसा के संपर्क में आना, आवेगशीलता, आक्रामकता, अस्वीकृति और लाचारी की भावनाएं भी आत्महत्या के विचार को गहरा कर सकती हैं।

मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक, अगर थोड़ी सी सतर्कता बरती जाए तो बच्चों और किशोरों की कुछ खास अभिव्यक्तियों से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके भीतर आत्महत्या के विचार पनप रहे हैं। जैसे- वे अक्सर खुद को नुकसान पहुंचाने वाली टिप्पणियां कर सकते हैं या किसी छोटी-सी बात पर अचानक आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। इसके अलावा चेतावनी के अन्य संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव, उदास मन, दोस्तों-परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी तथा शैक्षणिक कार्यों की गुणवत्ता में गिरावट देखी जा सकती है।

आत्महत्या के बारे में सोचने वाले भविष्य की योजना बनाने या उसके संबंध में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं, जिनका इलाज संभव है। बच्चे या

किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है। अक्सर देखा गया है कि आत्महत्या के बारे में बात करने में लोग असहज महसूस करते हैं। हालांकि अपने बच्चों से यह पूछना मददगार हो सकता है कि क्या वह अवसादग्रस्त है या आत्महत्या के बारे में सोच रहा है। इस तरह के प्रश्न बच्चे को यह आश्वासन दे सकते हैं कि कोई उसकी परवाह करता है और ऐसे में बच्चे अपनी समस्याओं के बारे में खुल कर बात कर सकते हैं।

बच्चों के साथ संवाद की कमी भी एक बड़ी समस्या है। असल में आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। कामकाजी परिवारों में यह समस्या सबसे ज्यादा है, जहां एकल परिवारों में पति और पत्नी दोनों काम कर रहे हैं। ऐसे परिवारों के बच्चों में अवसाद सबसे ज्यादा घर कर रहा है। इन बच्चों को लगता है कि माता-पिता के पास उनके लिए समय नहीं है। ये बच्चे अपने मन की बात किससे कहें? मनोचिकित्सकों का मानना है कि आजकल छोटे बच्चे भी अवसाद और चिंता का शिकार हो रहे हैं। इसकी दो बड़ी वजह हैं। पहली, बच्चों को लगता है कि दुनिया में उनका कोई नहीं है, उनकी किसी को परवाह नहीं है। दूसरी, उन पर पढ़ाई का बोझ सबसे ज्यादा है। बेहतर प्रदर्शन की दौड़ में पिछड़ने का डर उनके मन में इस कदर बैठा दिया गया है कि वे किताबों से आगे कुछ सोच ही नहीं पाते।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2022 में देश में 13,044 बच्चों ने आत्महत्या की। इन मामलों में 2,248 विद्यार्थियों ने परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर यह कदम उठाया। वहीं एनसीआरबी के वर्ष 2001 के आंकड़े के मुताबिक, देश भर में 5,425 बच्चों ने आत्महत्या की थी। ये आंकड़े बताते हैं कि विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाओं में कितनी तेजी से इजाफा हो रहा है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, देश में अवसाद से जूझ रहे 40 से 90 फीसद किशोर कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। वे मानसिक चुनौतियां की वजह से मादक पदार्थों का सेवन तक करने लगते हैं। आइसीएमआर का सर्वेक्षण बताता है कि देश में बारह से तेरह फीसद विद्यार्थी मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 'द लांसेट' पत्रिका का एक अध्ययन बताता है कि दुनिया का हर बारह में से एक बच्चा कभी न कभी आत्महत्या के विचार अपने मन में लाता है।

अवसाद, चिंता, अकेलापन और दोस्तों या घर-परिवार से किसी तरह का समर्थन नहीं मिलने के कारण बच्चों में आत्महत्या के विचार पनपने लगते हैं। बच्चों के काम करने के तरीके, उनके व्यवहार में आ रहा बदलाव, उनकी खामोशी या फिर गुस्सा और चिड़चिड़ापन जैसी व्यवहारगत आदतें सबसे पहले माता-पिता को पता चलती हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों और दोस्तों को भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आत्महत्या के विचार या योजना बनाने वाले बच्चे या किशोर को तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास ले जाकर उपचार किया जा सकता है।

बच्चों और किशोरों की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ना न केवल हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल है, बल्कि हमारे घर-परिवार और समाज की उदासीनता एवं लापरवाही को भी उजागर करता है। आखिर क्यों हम अपने बच्चों को समझ नहीं पा रहे हैं? क्यों हम उनके मन को पढ़ नहीं पा रहे हैं? चूक कहां हो रही है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं हमने पैसे कमाने की होड़ में अपने बच्चों को अकेले घुटने के लिए तो नहीं छोड़ दिया है? पढ़ाई में अव्वल आने की दौड़ में उन्हें जीवन जीने या यों कहिए कि बचपन से दूर तो नहीं कर दिया है? हमें सोचना होगा कि आखिर जिंदगी बड़ी है या किताबी सफलता। सवाल बहुत हैं, जिनके जवाब हम सबको मिलकर तलाशने होंगे, ताकि बच्चों और किशोरों के जीवन को सुरक्षित और खुशहाल बनाया जा सके।

पार्टियों में हो रहा है धरती-आसमान हिला देने वाला शोर

> उत्सवों को हमने शोषण और दोहन का अवसर बना दिया है। ये सामाजिक हाशियाकरण के औजार बन गए हैं। प्रदर्शन और अहंकार इसके नए स्थापित आयाम हैं। अपार शोर और बाजार के विराट स्वरूप के नीचे, बल्कि बहुत नीचे संवेदना, कलात्मकता और आनंद की धारा लुप्त हो गई है। इस त्रिवेणी पर उत्सव का आयोजन तो बड़ा भारी है, लेकिन जल की एक बूंद भी नहीं है। आज कबीर होते, तो इस बात पर रो देते। वे अपनी जलती हुई लुकाठी लेकर इन मुर्दों की भीड़ को खदेड़ देते और अपने हाथों से त्रिवेणी की मिट्टी को तब तक कुरदते, जब तक उन्हें वहां सोई हुई सरिता नहीं मिल जाती।

घनश्याम कुमार देवांश

कला का रिश्ता संगीत से है और विध्वंस का शोर से। और जब त्योहारों और पारिवारिक उत्सवों में संगीत के स्थान पर शोर कब्जा कर ले, तब इसमें क्या शक रह जाता है कि कला के ऊपर विध्वंस हावी हो चुका है। हमारे आसपास और दूरदराज की दुनिया इसका उदाहरण बन चुकी है।

पिछले चार दशकों के दौरान यह दुनिया तेजी से बदली है। मनुष्य ने अपने जीवन से कलात्मक संघर्ष के सारे अवसर समाप्त कर दिए हैं। दिवाली के दीये पूरी रात नहीं जलते रह सकते थे। उनका होना अंधेरे के प्रतीकात्मक रूप से जूझ कर दिखाना भर था। उस रोशनी में एक सुकून से भरा एक आनंद था, लेकिन स्वीकार्यता भी थी। यह स्वीकार्यता कहती थी कि हार मानना भी नहीं है और हार को पचा जाना भी सीखना है। मनुष्य के भीतर का यह बोध उसे एक तरफ तो अहंकार से बचाता था और दूसरी ओर उसी अंधेरे की बांह में सिमटकर चैन की नींद सो जाना भी सिखाता था। मनुष्य अंधेरे से जितना डरता और घबराता था, उतने भर की रोशनी भी जुगाड़ कर लेता था, लेकिन कालांतर में उसने अंधेरे को जीत लेने का प्रण ठान लिया।

दिवाली और आसपास के सब त्योहार बीत जाने पर भी बिजली की लड़ियां बालकनी में

लटकी दिप-दिप करती दिख जाती हैं। कई जगहों पर भयानक विराट उजाले में भी उन्हें न जाने किससे लड़ने को छोड़ा गया है। कभी एक कतरा अंधेरा किसी कोने से दबा-छिपा गुजरता भी होगा, तो व्यंग्य भरी मुस्कान के साथ कहता होगा कि 'रहो भाई, तुम्हीं रहो, हम तो चले पाताल'। मनुष्य शायद भूल गया कि जिसे जीतना था, वह तो अपने भीतर का भय, आतंक और अहंकार रूपी अंधेरा था, लेकिन वह तो उल्टे कई-कई गुना बढ़ गया।

हुआ यह कि बाहर का भौतिक अंधेरा धरती और आसमान दोनों से मिट गया। जिस चांद और तारों से भरे आसमान को देखकर मनुष्य के भीतर कलात्मकता का सागर उमड़ता था, अब वह आसमान धूल में नहाया हुआ और कई बार खीझा हुआ दिखाई पड़ता है।

पवित्र हिमालय की श्वेत चादर हमारे कीचड़ सने पैरों से मैली हो चुकी है। आसमान भी कुछ ऐसी ही कीचड़ से भरी टूटी-फूटी गली जैसा दिखाई देता है। यों भी, उधर अब देखता ही कौन है? क्या हम रोशनी का अनुपात भूल गए? आखिर कितनी रोशनी चाहिए हमें जिंदा रहने के लिए? क्या उसकी कोई सीमा नहीं? इतनी रोशनी बढ़ गई है कि अब वह वक्त दूर नहीं जब लोग, खासकर शहरों में रहने वाले लोग, अंधकार के अधिकार के लिए कोर्ट-कचहरी करते नजर आएंगे। यह एक कल्पनात्मक स्थिति है, लेकिन प्रकृति के उतार-चढ़ावों को समझने लिए किसी सिरे की तो जरूरत होगी!

इस अपार रोशनी के शोर ने हमारी चेतना को बहरा कर दिया है। क्या हमने कभी उन पार्टियों में शिरकत की है, जहां नीम अंधेरे में संगीत का भयानक शोर मानव शरीर को कंपायमान कर देता है? गजब बात यह कि इसे भी संगीत कहा जाता है, लेकिन हर वह चीज जिसमें गति और लय होती है, क्या वह मनुष्य के जीवन के लिए कल्याणकारी है?

अगर ऐसा है तो क्या हम शिव के तांडव की कामना करना चाहेंगे? नहीं, क्योंकि वह संगीत विध्वंस और संहार का है। वह मनुष्य के लिए नहीं। हर व्यक्ति यह समझने के लिए मनोवैज्ञानिक नहीं हो सकता, लेकिन बारूद से उपजते शोर और प्रकाश को मनुष्य ने कब और कैसे अपने उत्सव और आनंद से जोड़ लिया, यह मनोवैज्ञानिक शोध का विषय है। हमारे पूर्वजों ने उत्सवों को नृत्य और संगीत से जोड़ा, कलात्मक सृजन से जोड़कर भूमि और भित्तियों को सजाने से जोड़ा, अन्न और अग्नि के संबंध को बनाकर सुस्वादु रसों की निष्पत्ति से जोड़ा, मन और शरीर दोनों के शुद्धिकरण और सौंदर्यीकरण से जोड़ा, एक दूसरे के प्रति क्षमाभाव से जोड़कर सामाजिकता को मजबूत करने से जोड़ा! और आज हम उत्सव की सात्विकता को शोर और चकाचौंध के किस दलदल में धकेल आए हैं, जहां या तो मानवीय सौंदर्यबोध का विनाश है या फिर सामाजिक दायित्वबोध का। क्या अब हमने उत्सव के दिनों में स्वार्थ और बेवकूफी की पट्टी नहीं बांध ली है और ऊपर से वह शोर भी हावी कर लिया है, जहां किसी जीव की आंखों में जलता हुआ धुआं भी देखने के लिए हम अयोग्य साबित हो चुके हैं।

उत्सवों को हमने शोषण और दोहन का अवसर बना दिया है। ये सामाजिक हाशियाकरण के औजार बन गए हैं। प्रदर्शन और अहंकार इसके नए स्थापित आयाम हैं। अपार शोर और बाजार के विराट स्वरूप के नीचे, बल्कि बहुत नीचे संवेदना, कलात्मकता और आनंद की धारा लुप्त हो गई है। इस त्रिवेणी पर उत्सव का आयोजन तो बड़ा भारी है, लेकिन जल की एक बूंद भी नहीं है। आज कबीर होते, तो इस बात पर रो देते। वे अपनी जलती हुई लुकाठी लेकर इन मुर्दों की भीड़ को खदेड़ देते और अपने हाथों से त्रिवेणी की मिट्टी को तब तक कुरदते, जब तक उन्हें वहां सोई हुई सरिता नहीं मिल जाती।

वे इस उत्सव की त्रिवेणी को फिर से चांदी से चमकते जल से भर देते, जिसमें मनुष्य अपना मुख धोकर चैतन्य हो पाता। तो कबीर कहां हैं? क्या हम सबको अपने भीतर झांक कर नहीं देखना चाहिए!

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप में भारतीय टीम अजेय

खिताब पर कोच श्रीजेश की निगाहें

मदुरै, एजेंसी। भारतीय टीम एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अजेय है। कोच पीआर श्रीजेश का मानना है कि खिलाड़ियों को आत्मविश्वास बनाए रखते हुए अपना सामान्य गेम खेलना चाहिए। टीम का लक्ष्य सिर्फ टूर्नामेंट जीतना है। जूनियर वर्ल्ड कप में भारत ने अपने दोनों शुरुआती मुकाबले चेन्नई में खेले, जिसमें जीत दर्ज की। टीम ने अब तक एक भी गोल नहीं खाया है। इस बीच भारत ने चिली के खिलाफ 7–0 से जीत दर्ज की, जबकि ओमान के विरुद्ध मुकाबला 17–0 से जीता। अब भारत मंगलवार को

अपने अंतिम ग्रुप लीग मैच में स्विट्जरलैंड का सामना करेगा। इस मुकाबले से पहले कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, 'जब आप जूनियर वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहे होते हैं, तो यह हमेशा जरूरी होता है कि आप अपना शत प्रतिशत दें। आप उसे जीतने का सपना देखें। इसलिए, मुझे लगता है कि हमारे लिए यह बहुत जरूरी है कि हम आत्मविश्वास बनाए रखें और बस अपना सामान्य गेम खेलें। हमें बस टूर्नामेंट जीतना है। पीआर श्रीजेश ने जर्मन टीम को सराहते हुए कहा, 'यह एक अच्छी टीम है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सेमीफाइनल या फाइनल में हमारा उनसे मुकाबला हो। हालांकि, मुझे नहीं पता कि यह सफर कैसा रहेगा, क्योंकि ये सभी टॉप नौ टीमें काफी अच्छी हैं। भारतीय टीम ने 28 नवंबर को टूर्नामेंट का अपना पहला मैच चिली के खिलाफ खेला था। पूल–बी के इस मुकाबले में टीम इंडिया ने 7–0 से जीत दर्ज की।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

जयदेव उनादकट बने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज, सिद्धार्थ कौल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बनकर नया कीर्तिमान रच दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 30 नवंबर को दिल्ली के कप्तान नितीश

राणा का विकेट लेकर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। इस विकेट के साथ उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल (120 विकेट) को पीछे छोड़ दिया।

कौल का रिकॉर्ड टूटा, उनादकट का दबदबा बरकरार– सिद्धार्थ कौल ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट झटके थे। वहीं, उनादकट ने सिर्फ अपने 83वें मैच में ही उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं, औसत 17.81 और इकॉनमी 6.79 के साथ। उनादकट स्त्र्ञ्ज में तीन बार चार विकेट भी ले चुके हैं।

100+ विकेट क्लब में सिर्फ छह गेंदबाज– सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी इतिहास में 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में शामिल हैं—
पियूष चावला – 113 विकेट
लुकमान मेरिवाला – 108 विकेट
चामा मिलिंद – 107 विकेट
आकाश चौधरी – 102 विकेट

रिकॉर्ड के बावजूद सौराष्ट्र की हार– उनादकट ने चार ओवर में सिर्फ 22 रन देकर शानदार गेंदबाज़ी की, लेकिन दिल्ली ने 207/4 रन बना दिए। दिल्ली के लिए यश ढुल ने 30 गेंदों में 47 रन, जबकि नितीश राणा ने 41 गेंदों में 76 रन (7 छक्के) ठोके।

'कोहली-रोहित के बिना 2027 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते...'

इस भारतीय दिग्गज ने चयनकर्ताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तानों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ओडीआई फ्यचूर को लेकर हालिया समय में काफी अटकलें लगी हैं. दोनों टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कई क्रिकेट विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेल पाएंगे.
तब तक कोहली की उम्र करीब 39 साल जाएगी. वहीं रोहित शर्मा तब तक 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे.
अब रांची वनडे में दोनों की शानदार बल्लेबाजी ने यह बहस खत्म कर दी है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे में विराट कोहली ने शानदार 135 रन बनाए. वहीं रोहित शर्मा के बल्ले से 57 रन निकले. रोहित-कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की पार्टनरशिप की, जिसके दम पर भारत ने 349 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. भारत ने इस मैच को 17 रनों से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली. इस एक साझेदारी ने दिखा दिया कि रोहित-कोहली अभी भी पहले जैसे ही खतरनाक हैं. अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व चीफ सेलेक्टर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने इन दोनों स्टार बल्लेबाजों की जमक तारीफ की है. श्रीकांत का कहना है कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप रोहित और कोहली के बिना भारतीय टीम जीत ही नहीं सकती.

'दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार...'

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रोहित और कोहली अलग ही लेवल पर खेल रहे हैं. क्रिकेट के इस दौर में इतने कठिन मैच खेलना आसान नहीं है. लेकिन वे दोनों सिर्फ एक फॉर्मेट खेलकर भी अपनी फिटनेस और मानसिकता बेहतरीन बनाए हुए हैं. इन दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार है. 2027 वर्ल्ड कप जीतना है तो रोहित और विराट टीम में होने ही चाहिए.'

अजलान शाह हॉकी कप

फाइनल में भारत को 1-0 से हराया

बेल्जियम ने जीता अजलान शाह हॉकी का खिताब

कुआलालंपुर, एजेंसी। जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। बेल्जियम ने रविवार को रोमांचक फाइनल में भारत को करीबी मुकाबले में 1-0 से हराकर सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। भारत को मैच के 34वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स के गोल के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह बेल्जियम का पहला सुल्तान अजलन शाह खिताब है। टीम सिर्फ दूसरी बार इस प्रतियोगिता में खेल रही थी। शनिवार को कनाडा के खिलाफ 14-3 की बड़ी जीत के बाद इस मैच में उतरा भारत दुर्भाग्य से तीन पेनल्टी कॉर्नर में से एक को भी गोल में नहीं बदला सका। जुगराज सिंह, अमित

रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। लीग चरण में यूरोपियन टीम के खिलाफ 2-3 से हारने के बाद यह इस टूर्नामेंट में भारत की दूसरी हार थी। मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से आराम लेने के कारण जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी जिन्होंने हार के अंतर को कम रखकर अच्छा प्रदर्शन किया। दोनों टीमों ने रणनीति खेल दिखाया जिसमें बेल्जियम ने गेंद को अधिक समय अपने पास रखकर बेहतर शुरुआत की। उनके आक्रामण ने दोनों छोर से भारतीय रक्षा पंक्ति को परेशान किया और भारतीय गोलकीपर को कुछ करीबी बचाव करने पड़े। बेल्जियम को शुरुआत में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत ने इन्हें नाकाम कर दिया। भारत ने धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल की लेकिन बेल्जियम ने उन्हें मिडफील्ड में बेहतर नियंत्रण बनाकर परेशान किया। मध्यांतर तक दोनों ही टीम गोल का खाता खोलने में नाकाम रहीं। बेल्जियम ने दूसरे हाफ में बेहतर लय में खेलकर भारत पर दबाव डाला।भारत ने भी कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन तीसरे क्वार्टर में भी बेल्जियम के डिफेंस को मात नहीं दे सके। इस बीच 34वें मिनट में स्टॉकब्रोक्स के गोल ने भारत को दबाव में डाल दिया। आखिरी क्वार्टर में भारत ने स्कोर बराबर करने की बहुत कोशिश की लेकिन बेल्जियम के डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे।

मेरा करियर एक फॉर्मेट तक सीमित है : विराट कोहली

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद विराट कोहली की टेस्ट फॉर्मेट में फिर से वापसी की चर्चा शुरू हो गई थी। रांची वनडे में विराट के शतक के बाद उनकी टेस्ट वापसी की चर्चा और जोर-शोर से शुरू हुई, लेकिन विराट ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

विराट कोहली ने रांची वनडे के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अब सिर्फ एक फॉर्मेट, वनडे, तक सीमित है, उससे आगे कुछ नहीं। विराट से पूछा गया कि क्या उनका इरादा सिर्फ वनडे में ही खेलना है, तो उन्होंने कहा, 'हां, और हमेशा ऐसा ही रहेगा। मैं सिर्फ एक तरह का गेम खेल रहा हूं। कोहली ने समझाया, 'अगर आपने 300 के आस-पास गेम खेले हैं, तो आपको पता होता है कि लंबे समय तक बैटिंग करने की फिजिकल क्षमता कब होती है। जब तक आप बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहे हैं, यह फिजिकली फिट, मेंटली तैयार और एक्साइटेड होने के बारे में है। कोहली के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि उनका ध्यान वनडे विश्व कप 2027 पर है। विराट ने रांची वनडे में 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली। विराट का यह 52वां वनडे शतक था। इस पारी में विराट ने 7 छक्के और 11 चौके लगाए और मैच में भारत को 17 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें उनकी बेहतरीन शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

शुभमन गिल का आया हेल्थ अपडेट, कब थामेंगे बल्ला और मैच में होगी वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 5 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होने वाली है। इस सीरीज से पहले भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस पर बड़ा अपडेट आया है। इस बात से हर कोई वाकिफ है कि शुभमन गिल चोटिल चल रहे हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्हें गर्दन में परेशानी हुई थी, जिसके बाद वह अस्पताल में भी भर्ती हुए थे। शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट और अब 3 मैचों की वनडे सीरीज भी नहीं खेल पाए।

- **रिहैबिलिटेशन के लिए बेंगलुरु जाएंगे शुभमन गिल**– एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुभमन गिल 1 या 2 दिसंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच जाएंगे। वहां पर वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में गिल बल्लेबाजी भी शुरू कर सकते हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखेगी। ऐसा पता चला है कि चंदीगढ़ (परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए) रवाना होने से पहले मुंबई में शुभमन गिल ने फीजियोथेरेपी सेशन लिए थे।
- **टी20 सीरीज में कर सकते हैं वापसी**– शुभमन गिल की साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी करने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में साफ हो जाएगा कि शुभमन टी20 सीरीज भी खेलेंगे या नहीं। गिल को हाल ही में टेस्ट और वनडे की कप्तानी सौंपी गई है।

प्रीमियर लीग

चेल्सी ने आर्सेनल को 1–1 से ड्रॉ पर रोका

लंदन, एजेंसी। प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने चेल्सी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले के शुरुआती आधे घंटे में चेल्सी ने दबदबा बनाए रखा। आर्सेनल होम टीम के लिए मुश्किलें खड़ी करती रहीं। इस दौरान ब्लूज ने कई मौके बनाए। मुकाबले के 38वें मिनट में मोइसेस कैसेडो को मिकेल मेरिनो पर टैकल करने के लिए सीधे रेड कार्ड मिला। यहां से चेल्सी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना जारी रखा। इसके बावजूद ब्लूज ने आक्रामक खेल जारी रखा। ट्रेवोह चलोबा ने हाफ टाइम के ठीक बाद रीस जेम्स के कॉर्नर पर हेडर मारकर चेल्सी को मुकाबले के 48वें मिनट बढ़त दिलाई।

यहां से आर्सेनल ने तेज खेल दिखाया और मुकाबले के 59वें मिनट में मिकेल मेरिनो ने गोल दागते हुए टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। यह मुकाबले का अंतिम गोल साबित हुआ। आर्सेनल इस समय प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। इस टीम के पास 30 प्वाइंट्स हैं। वहीं, चेल्सी ने 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कब्जा जमा रखा है।

एक अन्य मुकाबले के दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड ने क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। जीन-फिलिप माटेटा ने पहले हाफ में दो बार पेनल्टी लेकर पैलेस को लीड दिलाई। मुकाबले के 36वें मिनट में क्रिस्टल पैलेस ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले के 54वें मिनट में जोशुआ जिर्कजी ने गोल दागते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को मुकाबले में बराबरी पर ला दिया और नौ मिनट के अंदर मैनचेस्टर ने बढ़त भी हासिल कर ली। मेसन माउंट ने 63वें मिनट में

विजयी गोल दागा। फिलहाल, मैनचेस्टर यूनाइटेड 21 प्वाइंट्स के साथ सातवें पायदान पर मौजूद है, जबकि क्रिस्टल पैलेस 20 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। लिवरपूल ने वेस्ट हैम पर 2-0 से जीत हासिल करते हुए 8वां स्थान हासिल किया। इस टीम के पास 21 अंक हैं। कोच आर्ने स्लॉट ने अपने कार्यकाल में पहली बार किसी लीग मैच में मोहम्मद सालाह को बेंच पर बैठाया। अलेक्जेंडर इसाक ने मुकाबले के 60वें मिनट में गोल करते हुए लिवरपूल को मुकाबले में 1-0 से आगे कर दिया था। मुकाबले के 84वें मिनट में लुकास पाक्वेटा को रेड कार्ड दिखाया गया। कोडी गैकपो ने स्टॉपेज टाइम में गोल दागकर आखिरकार लिवरपूल को 2-0 से आगे कर दिया।

त्रीसा-गायत्री लगातार दूसरी बार चैंपियन

श्रीकांत के हाथ लगी निराशा

लखनऊ, एजेंसी। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया, जबकि किदांबी श्रीकांत का आठ साल से चली आ रही खिताबी प्यास बुझने से चूक गई। लखनऊ में खेले गए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को खुशी और दर्द दोनों की झलक मिली। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया।

श्रीकांत की दिल तोड़ने वाली हार– 2017 के फ्रेंच ओपन के बाद से कोई खिताब नहीं जीत पाए किदांबी श्रीकांत फाइनल में जीत के बेहद करीब थे, लेकिन हांगकांग के विश्व नंबर 59 जेसन गुनावन ने 67 मिनट के रोमांचक मुकाबले में उन्हें 16–21, 21–8, 20–22 से हराकर उनकी उम्मीदें तोड़ दीं।

RCB के होम ग्राउंड पर लगा ताला, सुरक्षा क्लीयरेंस के बिना नहीं होगा कोई मैच

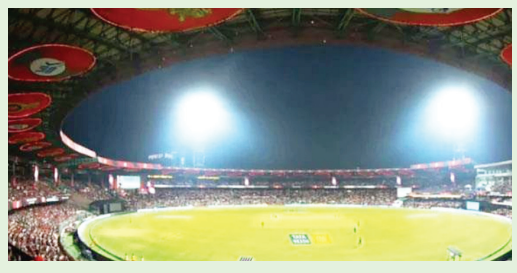

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 मैचों का आयोजन अब संदेह के घेरे में है। राज्य सरकार ने स्टेडियम की संरचनात्मक सुरक्षा की विस्तृत जांच अनिवार्य कर दी है। यह फैसला इसी साल जून में हुए दर्दनाक भगदड़ हादसे के बाद लिया गया है।

सुरक्षा रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य– लोक निर्माण विभाग ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को नोटिस जारी कर कहा है कि स्टेडियम की विस्तृत और प्रमाणित सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। यह रिपोर्ट प्रमाणित विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जानी चाहिए, ताकि तकनीकी मानकों का सही आकलन किया जा सके। 17 एकड़ भूमि पर बने इस स्टेडियम को दर्शक दीर्घाओं सहित पूरे ढांचे की मजबूती साबित करनी होगी। सरकार ने साफ किया है कि स्वतंत्र जांच के बाद ही आईपीएल मैचों की मंजूरी दी जाएगी।

स्टाम्पीड के बाद से चिन्नास्वामी में मैच बंद– जून में हुए भीषण हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोग घायल हो गए थे। यह दुर्घटना आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। इसके बाद जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुवाई वाली स्वतंत्र समिति ने स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए 'असुरक्षित' घोषित किया था। समिति ने चेतावनी दी थी कि यहां बड़े कार्यक्रम कराना भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिहाज़ से 'अस्वीकार्य जोखिम' पैदा करता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670